डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 153 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 19 मार्च 2025 | मूल्य 2 रुपया

डोडाचूरा तस्करी के आरोपी को 10 साल की सजा, एक लाख रुपए जुर्माना

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस मंदसौर द्वारा आरोपी देवीलाल पिता बगदीराम उम्र 34 वर्ष निवासी ग्राम कांचरिया चंद्रावत जिला मंदसौर को अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा की तस्करी करने के अपराध में दोषी पाते हुए 10 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 1 लाख रूपये के अर्थदंड से दण्डित किया है।

अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी दीपक जमरा द्वारा यह जानकारी दी गई। उन्होंने घटना के संबंध में बताया कि 19 अप्रैल 2017 को थाना पिपलियामंडी में पदस्थ सउनि रामबाबू यादव को पिपलियामंडी चौकी पर मुखबीर द्वारा सूचना

प्राप्त हुई कि देवीलाल पिता बगदीराम गायरी निवासी काचरिया चंद्रावत का पिकअप वाहन क्रमांक एमपी 43 जी1278 में प्याज के कट्टों के बीच अवैध रूप से पिसा हुआ डोडाचूरा बोरियों में भरकर कृषि उपज मंडी मंदसौर से भीलवाड़ा तरफ ले जाएगा। यदि पिपलियामंडी चौकी पर नाकेबंदी की जावे तो उसे मय मादक पदार्थ के पकड़ा जा सकता है। सूचना विश्वसनीय होने से पिपलियामंडी चौकी पर नाकेबंदी की गई। कुछ देर बाद मुखबीर द्वारा बताये नंबर का पिकअप आता हुआ दिखा। जिसे फोर्स की मदद से रोका गया।

पिक अप में बैठे व्यक्ति ने अपना नाम देवीलाल पिता बगदीराम होना बताया। अभियुक्त की पिकअप की तलाशी ली गई। जिसमें 50 प्याज के कट्टों के नीचे छिपाकर रखे 07 बोरों में भरे 02 क्विंटल अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा को जब्त किया गया। उक्त मादक पदार्थ परिवहन के संबंध में आरोपी से पूछे जाने पर कोई वैध लाईसेंस न होना बताया गया। तत्का ल अभियुक्त देवीलाल गायरी को गिरफ्तार कर थाने पर अपराध धारा 8/15 एन.डी.पी.एस. एक्ट का पंजीबद्ध किया गया। समस्त आवश्यक अनुसंधान पश्चात् अपराध प्रमाणित पाये जाने पर यह अभियोग पत्र सक्षम विशेष न्यायालय में जांच/विचारण हेतु प्रस्तुत किया गया। विचारण के दौरान प्रकरण में न्यायालय के समक्ष अभियोजन द्वारा रखे गये तथ्यों एवं तर्कों से सहमत होकर न्यायालय द्वारा आरोपी को दोषसिद्ध किया। प्रकरण में अभियोजन का संचालन विशेष लोक अभियोजक श्री दीपक जमरा द्वारा किया गया।

प्रहरी भी नहीं कर पाया नशे पर प्रहार..!

न क्लब बना और न हुई मॉनिटरिंग, स्कूलों के बाहर अभी भी बिक रहे तंबाकू उत्पाद!

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। कुछ माह पहले स्कूलों और स्कूली बच्चों को नशे से दूर रखने की कवायद शुरु की गई। जिसमें प्रहरी क्लब बनाने के निर्देश जारी किए गए। अन्य कई निर्देशों की तरह प्रहरी क्लब के निर्देश भी हवा में उड़ा दिए गए। अधिकांश स्कूलों में औपचारिकता के लिए भी क्लब का गठन नहीं किया किया। इसके अलावा जहां कागजों पर क्लब बने, वहां न जागरुकता के लिए कार्यक्रम आयोजित हुए और न ही स्कूलों के आसपास से नशे के उत्पाद बिकना बंद हुए। इधर शिक्षा विभाग ने निर्देशों के बाद मॉनिटरिंग भी नहीं की। परिणाम हालात जस के तस है। आज भी स्कूलों के बाहर तंबाकु उत्पाद धड़ल्ले से बिक रहा है। मंदसौर की बात करें तो महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल, नूतन स्कूल, उत्कृष्ट स्कूल, हा.से. स्कूल के बाहर धड़ल्ले से तंबाकू उत्पाद बिक रहे हैं। यह स्कूल सिर्फ एक उदाहरण है। शहर के कई स्कूलों के साथ जिले के अन्य स्कूलों के भी यही हाल है।

शहर सहित जिले में शैक्षणिक संस्थानों के आसपास गुटखा-सिगरेट की दुकानें शासन के आदेश को धता बताकर संचालित की जा रही है। जिसका स्कूली विद्यार्थियों पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। इधर जानकारी के बाद भी जिम्मेदारों की और से ऐसी दुकानों के खिलाफ कार्रवाई का अभाव है। जबकि, शासन का आदेश है कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान के सौ मीटर के दायरे में मादक पदार्थ सहित पान-गुटखा व धुम्रपान की दुकानों का संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित हैं। ऐसा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई का प्रविधान है। लेकिन, फिर भी ऐसा बेखौफ किया जा रहा है। जिस पर कार्रवाई करने वाले ही उदासीन हैं। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र में स्कूलों के आसपास ऐसी कई दुकानें संचालित हो रही हैं। इन दुकानों के नहीं हटने से स्कूली बच्चों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इसे लेकर कई बार शिकायत भी दर्ज कराई जाती हैं। इसके बावजूद भी अनदेखी की जा रही है। कई बार तो छात्रों को बीड़ी, सिगरेट, पान मसाला, गुटखा खरीदते हुए भी देखा जा सकता है। मजेदार बात तो यह है कि छात्र ही नहीं शिक्षक भी गुटखा चबाते हुए नजर आते हैं। गुमटियों पर चाय व नाश्ता के साथ ही बीड़ी, सिगरेट, गुटखा व मसाला की बिक्री की जा रही है।

यह है नियम...

स्कूलों और सरकारी कार्यालयों को तंबाकू मुक्त घोषित करने के लिए सभी निर्देशों का कढ़ाई से पालन कराने नियम बनाए गए हैं। इसमें बच्चों को तंबाकू की पहुंच से दूर रखने के लिए भारत सरकार के तंबाकू नियंत्रण अधिनियम सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम 2003 की धारा 4 एवं 6 के तहत तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थान सुनिश्चित करने की व्यवस्था है। धारा 4 के तहत शिक्षण संस्थानों सहित समस्त सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान प्रतिबंधित है। धारा 6 (ब) के तहत शैक्षणिक संस्थानों के एकसौ गज के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध एवं संस्थानों द्वारा संस्था के बाहर बोर्ड पर घोषणा पत्र प्रदर्शित करना होता है।

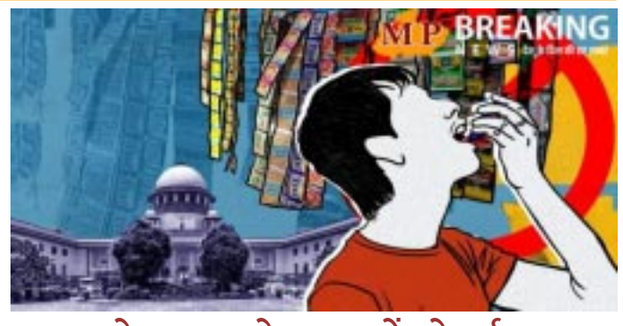

कोटपा एक्ट के पालन में कोताई...

नशे पर प्रतिबंध लगाने के लिए शासन ने कोटपा एक्ट का नियम लागू किया है। लेकिन, इसका पूरा पालन नहीं हो पा रहा है। लंबे समय से प्रशासन द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर गुटखा, तम्बाकू और सिगरेट का सेवन करने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है। इधर स्कूल परिसर के आसपास तो ऐसी सामग्री का विक्रय प्रतिबंधित है। लेकिन, बाजार में भी अब किराना, स्टेशनरी और कंफेक्शनरी दुकानदार भी तंबाकू सामग्री के पाउच, गुटखा आदि पूरी तरह सुसज्जित कर टांगे जा रहे हैं। जिन पर भी कार्रवाई नहीं होती।

जुआ खेलते व सट्टा अंक लिखते 4 आरोपियों को पकड़ा

पिपलियामंडी, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने जुआ खेलते व सट्टा अंक लिखते चार आरोपियों को पकड़ा। पिपलियामंडी पुलिस ने थडोद बालाजी फन्टे के बाद ताशपत्ती से जुआ खेलते मुलतानपुरा निवासी शरीफ पिता अफजल बटला, बोतलगंज निवासी शकील पिता शाबिर पीपी व मोहसीन पिता जाकिर सोडा को पकड़ा। इनके कब्जे से नकदी भी बरामद की। इसी तरह एक अन्य मामले में सट्टा अंक लिखते बोतलगंज निवासी अनवर पिता सलामुद्धीन तितरोद को पकड़ा। आरोपी के कब्ज से सट्टा उपकरण व नकदी जब्त की।

कटी हुई गेंहू की फसल खेत से भरकर ले गया आरोपी, प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। खेत पर काटकर रखी गेंहू फसल भरकर ले जाने वाले आरोपी के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। बोरखेडी चारण निवासी रसालबाई पति दशरथ डांगी ने नाहरगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मेरे खेत पर गेंहू की फसल काटकर रखी थी। जिसे काल्याखेडी निवासी राकेश पिता रोडु बांछडा ट्रेक्टर-ट्राली के माध्यम से भरकर ले गया। पुलिस ने राकेश के खिलाफ केस दर्ज किया।

अवकाश सूचना

रंगो के त्योहार रंग पंचमी के अवसर पर 19 मार्च बुधवार को दैनिक गुरु एक्सप्रेस कार्यालय का अवकाश रहेगा। इसलिए 20 मार्च गुरुवार को गुरु एक्सप्रेस का प्रकाशन स्थगित रहेगा। शुक्रवार 21 मार्च को पुनः मिलेंगे। ❊संपादक

मंगलवार को भी बंद रहा चंदवासा, पुलिस रही तैनात

शामगढ़, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। क्षेत्र के गांव चंदवासा में रविवार रात गौवंश का कटा हुआ सिर मिलने से तनाव की स्थिति बन गई थी। घटना की जानकारी मिलते ही हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और प्रदर्शन शुरू कर दिया था। स्थिति को देखते हुए गांव में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। सोमवार को पूरे दिन प्रदर्शन जारी रहा। लेकिन, आरोपियो की गिरफ्तारी नहीं होने से मंगलवार को भी चंदवासा बंद रखा गया। हालांकि, पुलिस ने दो आरोपियो की गिरफ्तारी का दावा किया था।

गरोठ एसडीएम चंद्रसिंह सोलंकी और एडिशनल एसपी हेमलता कुरील को ज्ञापन सौंपने के बाद सोमवार शाम को मामला शांत हुआ। इसके बाद आज मंगलवार को भी चंदवासा में बाजार बंद रहे। पुलिस अधिकारी चंदवासा में हर स्थिति का जायजा लेते रहे। इसके अलावा पुलिस बल भी तैनात रहा। इसके पहले रविवार को हिंदू संगठन के नेता खुमान सिंह ने आरोप लगाया कि एक समुदाय विशेष ने गाय को काटकर उसका मांस भक्षण किया है। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ कडी कार्रवाई और उनके अवैध निर्माणों को ध्वस्त करने की मांग की। उन्होंने कहा कि वे लगातार इस तरह की घटनाओं की शिकायत करते आ रहे हैं। लेकिन, प्रशासन कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहा है।

पीएम आवास योजना 02-आवेदन ले रहे, कार्य की कोई योजना नहीं..!

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। प्रधान मंत्री आवास योजना 02 में आवेदन लेने का काम जारी है। किन्तु, आवेदन के बाद की जाने वाली प्रक्रिया के लिए कोई रूपरेखा तैयार नहीं हुई है। स्थानीय स्तर पर शासन के आदेश का इंतजार किया जा रहा है। आवास योजना की फिर से शुरुआत हुई तो ऑनलाइन व ऑफलाइन में 535 लोगों ने आवास के लिए आवेदन किया। वहीं एएसपी मल्टी में आवास के लिए करीब 800 हितग्राहियों ने आवेदन कर दिया है। लेकिन, नपा का अमला सिर्फ आवेदन ही ले रहा है।

आवास योजना के सपनों की बात करें तो नपा अब तक आवेदन तक ही सीमित है। प्रधानमंत्री आवास योजना का दूसरा चरण शुरू होने के साथ अब तक सिर्फ आवेदन ही लिए जा रहे है। जबकि, योजना को लेकर आगे के आदेश का नपा को अब तक इंतजार है। इसी कारण गरीबो के आशियाने के सपने पर विभागीय प्रक्रिया भारी पड़ रही है। वहीं मल्टी में आवास के लिए आवेदन तो आ गए। किन्तु, इस योजना का अता-पता शहर में कहीं नहीं दिखाई दे रहा है। वर्ष 2022 के बाद यह योजना बंद हो गई। जो योजना पहले से मंजूर थी, उसी पर अब तक काम चल रहा है। अब फिर से योजना मंजूर हुई है तो सिर्फ आवेदन लिए जा रहे है।

बताया गया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना में नपा ने तीन डीपीआर पर काम किया है। इनमें शहर में कूल 2105 आवास की मंजूरी हुई। लेकिन, लंबा समय बीत जाने के बाद भी अब तक सिर्फ 1880 आवास ही पूरे हुए है। 46 आवास अब तक निर्माण कार्य तक नहीं पहुंचे है। ऐसे में नपा को भी मिला लक्ष्य पूरा नहीं हो पा रहा है। ऐसे लोगों को नपा ने राशि वसूलने के नोटिस दिए है।

यह है योजना की स्थिति

- अब तक बने मकान- 1880
- मंजूर हुए थे- 2105
- अप्रारंभ- 46
- नए ऑफलाइन आवेदन- 500
- नए ऑनलाइन आवेदन- 35
- एएचपी योजना के लिए आवेदन- 800
- आवेदन का चलेगा दौर- 31 मार्च तक

छत से फर्शी तोड़कर गोदाम में घुसे चोर

सात कूलर सहित 50 हजार का सामान ले गए

मनासा, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। चोरों ने एक इलेक्ट्रिक सामान के गोदाम को निशाना बनाया है। थाना क्षेत्र के भाटखेड़ी नाका पर स्थित गोदाम से चोर 50 हजार रुपए से अधिक कीमत के कूलर चुरा ले गए।

गोदाम के मालिक पंकज कुशवाह ने बताया कि वे 15 मार्च को गोदाम पर गए थे। 17 मार्च को दोपहर में लौटने पर उन्हें गोदाम का पिछला दरवाजा खुला मिला। जांच में पता चला कि चोरों ने छत की सीढ़ियों पर लगी फर्शी को हटाकर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद पीछे का दरवाजा खोलकर सामान ले गए। चोरों ने सेवलोन, ब्लू स्टार, क्रॉम्पटन और बजाज कंपनी के 6-7 कूलर चुराए। मालिक की शिकायत पर मनासा थाने में केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही चोरों को पकड़ लिया जाएगा।

राजस्व विभाग, नगर पालिका एवं पुलिस विभाग ने सामूहिक रुप से...

मांस विक्रेताओं की दुकानों की चेकिंग की

नियम विरुद्ध चलने वाली तीन दुकानों को किया सील

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर एसडीएम श्री शिवलाल शाक्य एवं थाना प्रभारी श्री पुष्पेंद्र सिंह राठौर द्वारा बताया गया कि राजस्व विभाग, पुलिस विभाग एवं नगर पालिका मंदसौर के सामूहिक टीम ने मांस विक्रेताओं की दुकानों का निरीक्षण कर चेकिंग की। दुकाने नियमानुसार लाइसेंस के मुताबिक चल रही या नहीं चल रही इसकी चेकिंग की गई। ऐसी दुकान जो नियम अनुसार नहीं चल रही थी उन पर विधिवत कार्यवाही की। नियम विरुद्ध चलने वाली तीन दुकानों को सील किया गया। जिन दुकानों पर पर्याप्त मात्रा में अच्छे से साफ सफाई नहीं थी ऐसी तीन दुकानों पर जुर्माना लगाया गया। इसके साथ ऐसे व्यक्ति जो मांस क्रय विक्रय की अवैध गतिविधियों में पहले से ही संलिप्त रहे हैं। ऐसे लोगों के घरों की सर्चिंग की गई। उनके आसपास के क्षेत्र की भी सर्चिंग की गई।

मामला रिश्वत के बड़े खेल का...

मंदसौर में पदस्थ रहे टीआई गढ़वाल ने कहा, मैं निर्दोष

भोपाल, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर शहर कोतवाली में पदस्थ रहे उपनिरीक्षक और वर्तमान में भोपाल में कार्यवाहक निरीक्षक जीतेंद्र गढ़वाल ने रिश्वत के मामले में अपनी सफाई पेश की। भोपाल के ऐशबाग थाने में एएसआई पवन रघुवंशी पर रिश्वत के 4.94 लाख रुपए घर में रखने के आरोप हैं। वह लाइन हाजिर होने के बाद भी अहम केसों की डायरियां अपने साथ ले गया था। उसका आचरण लगातार संदिग्ध था। कार्यवाहक निरीक्षक जितेंद्र गढ़वाल ने डीसीपी जोन-1 को गोपनीय पत्र के माध्यम से उसके संदिग्ध आचरण की जानकारी दी थी। इस आधार पर 28 फरवरी को उसे लाइन हाजिर किया गया। इसकी रिपोर्ट रोजनामचा में भी दर्ज की गई थी। इसके बाद तत्काल प्रभाव से उसे अपने पास मौजूद तमाम केस डायरियों का चार्ज दूसरे को ट्रांसफर करने के आदेश दिए गए। लेकिन, वह डायरियां अपने साथ लेकर चला गया। इन डायरियों में फर्जी कॉल सेंटर केस की डायरी भी मौजूद थी। इस बात की रिपोर्ट भी रोजनामचा में दर्ज है।

यह तर्क ऐशबाग थाने के निलंबित टीआई जितेंद्र गढ़वाल की ओर से उनके वकील ने अग्रिम जमानत के लिए दिए थे। हालांकि, आरपी मिश्रा की कोर्ट में इन तमाम बातों को दरकिनार करते हुए अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। याचिका में बताया गया था कि टीआई ने एएसआई पवन पर कार्रवाई कराई थी। इस कारण पवन ने अपने घर से बरामद कराई रिश्वत की रकम को टीआई के कहने पर लेना बताया। जिसके बाद टीआई को भी भ्रष्टाचार के मामले में आरोपी बनाया गया।

बैंक खाते और कॉल की डिटेल खंगालेगी पुलिस...

टीआई की अग्रिम जमानत पर आपत्ति लेते हुए एसीपी ने तर्क दिए हैं कि प्रकरण के सभी आरोपियों के बैंक खातों की जांच किया जाना है। उनके कॉल डिटेल को भी जांचा जाना है। कई अन्य जब्ती भी की जाना है। ऐसे में टीआई गढवाल को जमानत का लाभ दिया जाता है तो साक्ष्य को प्रभावित करने की पूरी आशंका है। अपराध की गंभीरता और एसीपी के आपत्ति प्रतिवेदन को देखते हुए न्यायालय ने अग्रिम जमानत आवेदन को खारिज कर दिया।

विचार-मंथन

आरबीआई का अनुमान मुद्रास्फीति औसतन 4.2 फीसदी रहेगी

लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर रहने के बाद देश में खाद्य मुद्रास्फीति काफी नीचे आई है और ऐसा बेहतर कृषि उत्पादन की बदौलत हो सका है। बुधवार को जारी आंकड़े बताते हैं कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति यानी खुदरा महंगाई की दर फरवरी में घटकर केवल 3.61 फीसदी रह गई है। पिछले साल जुलाई के बाद यह सबसे कम आंकड़ा है। खाद्य मुद्रास्फीति की दर भी कम होकर 3.75 फीसदी रह गई, जो मई 2023 के बाद सबसे कम है। खाद्य मुद्राफीति में पिछले साल अक्टूबर के बाद से ही गिरावट आ रही है। उस महीने यह उछलकर 10.87 फीसदी तक पहुंच गई थी। उसके कारण समग्र मुद्रास्फीति दर भी कुछ समय तक ऊंची बनी रही और भारतीय रिजर्व बैंक के लिए नीतिगत जटिलताएं पैदा हो गई थीं। खाद्य मुद्रास्फीति की दर कुछ समय तक नीचे ही रह सकती है। 2024-25 में प्रमुख फसलों के उत्पादन के हाल में जारी दूसरे अग्रिम अनुमान उम्मीद जगाते हैं। खरीफ में पिछले साल से 7.9 फीसदी अधिक खाद्यान्न उत्पादन होने का अनुमान है और रबी की खाद्यान्न उपज में 6 फीसदी बढ़ोतरी की संभावना है। गेहूं, चावल और मक्के की फसल का उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच सकता है। अन्य खाद्यान्नों का उत्पादन भी बढ़ा है। इसमें मोटे अनाज, तुअर और चना शामिल हैं। तिलहन उत्पादन खरीफ में 21 फीसदी और रबी में 2 फीसदी बढ़ने की संभावना है। फल और सब्जी उत्पादन के मामले में भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है। प्रथम अग्रिम अनुमान के मुताबिक 2024-25 में बागवानी फसल उत्पादन 36.21 करोड़ टन रह सकता है, जो 2023-24 की तुलना में 2.07 फीसदी ज्यादा होगा। पिछले साल मॉनसून अच्छा रहने और फिर सर्दी सामान्य रहने के कारण इस साल उत्पादन में रिकॉर्ड इजाफा हो सकता है। सकल घरेलू उत्पाद के दूसरे अग्रिम अनुमान के मुताबिक 2024-25 में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में 4.6 फीसदी वृद्धि हो सकती है। पिछले साल वृद्धि का आंकड़ा 2.7 फीसदी था। अग्रिम अनुमान पिछले दिनों राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने जारी किए। कृषि उत्पादन बढ़ेगा तो खाद्य मूल्य खुद ही नीचे आएंगे। रिजर्व बैंक का अनुमान है कि 2025-26 में खुदरा मुद्रास्फीति औसतन 4.2 फीसदी रहेगी, जो चालू वित्त वर्ष में 4.8 फीसदी है। 2024 में खाद्य मुद्रास्फीति की औसत दर 8.4 फीसदी रही जबकि औसत खुदरा मुद्रास्फीति दर 5.3 फीसदी थी। उच्च खाद्य मुद्रास्फीति के कारण समग्र मुद्रास्फीति की दर केंद्रीय बैंक के लक्ष्य से ऊपर रही और इससे परेशान परिवार मनचाही चीजों पर खर्च नहीं कर सके। इससे कुल खपत भी सुस्त हो गई। 2023-24 में कुल मासिक प्रति व्यक्ति खपत व्यय में खाद्य उत्पादों की हिस्सेदारी ग्रामीण इलाकों में 47.04 फीसदी और शहरी इलाकों में 39.7 फीसदी रही। कम आय वाले परिवार अपनी मासिक आय का और भी बड़ा हिस्सा भोजन पर खर्च करते हैं। ऐसे में कृषि उत्पादन बढ़ने से कुल उत्पादन तथा मांग बढ़ेगी और वृद्धि को गति देने में मदद मिलेगी। खाद्य कीमतों में तेज गिरावट और कम मुख्य मुद्रास्फीति के कारण नीतिगत दरों में कटौती की गुंजाइश बनती है। मगर घटती महंगाई और बढ़ते खाद्य उत्पादन को देखकर नीति निर्माताओं को कृषि क्षेत्र में अरसे से पसरी चुनौतियों से नजर नहीं हटानी चाहिए। मौसम की अतिकारी घटनाओं तथा जलवायु परिवर्तन से समस्याएं और बढ़ सकती हैं। किसानों को मिलने वाली कीमत और उपभोक्ताओं द्वारा चुकाए जाने वाले मूल्य में भारी अंतर, भंडारण तथा गोदामों की कमी के कारण फसलों की बरबादी, खेत और मंडियों के बीच दूरी और खस्ताहाल सड़कें ऐसी रुकावटें हैं, जिन्हें दूर करना जरूरी है। भारत को कृषि आपूर्ति श्रृंखला तैयार करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। इससे आगे जाकर कीमतों में उतारचढ़ाव पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

विदेशों में हिन्दू मन्दिरों पर हमले दुर्भाग्यपूर्ण

ललित गर्ग

खालिस्तानी अलगाववादियों से जुड़े कुछ अराजक तत्वों ने एक बार फिर अमेरिका में कैलिफोर्निया स्थित स्वामी नारायण मंदिर पर हमला किया है, हिन्दुओं वापिस भारत जाओ जैसे आपत्तिजनक संदेश लिखकर मंदिर को क्षति पहुंचायी गई है। हिन्दू मन्दिरों एवं आस्था पर बार-बार हो रहे ये हमने दुर्भाग्यपूर्ण एवं शर्मनाक है। आतंक फैलाने की मंशा से मंदिरों पर हमले की ऐसी घटनाओं का बार-बार होते रहना चिन्ता का सबब है। ऐसे पृथकतावादी तत्व हिंदुओं के खिलाफ विषवमन करके अपनी राजनीति चमकाना चाहते हैं एवं दवाब बनाना चाहते हैं। भारतीय सांझा संस्कृति में मिलजुलकर रहने वाले समाजों को विभाजित करके घृणा, नफरत एवं द्वेष उत्पन्न करने वाले तत्वों को न केवल बेनकाब करने की जरूरत है बल्कि उन्हें नेस्तनाबूंद किया जाना चाहिए। बात केवल खालिस्तानी अलगाववादियों की नहीं है, मुस्लिम आतंकवादी भी विभिन्न देशों में हिन्दू धर्म, मन्दिर, आस्था एवं संस्कृति पर ऐसे ही हमले करके दहशत फैला रहे हैं। हिन्दू समुदाय नफरत के खिलाफ मजबूती से खड़ा है, वह कभी भी नफरत को जड़ नहीं जमाने देंगा। लेकिन अमेरिका, ब्रिटेन व कनाडा सरकारों द्वारा ऐसे मामलों की अनदेखी और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई न करना विडम्बनापूर्ण एवं चुनौतीपूर्ण है। भारत सरकार को भी कड़े कदम उठाते हुए सख्त संदेश देना चाहिए। अमेरिका के अलग-अलग राज्यों में हिंदू मंदिरों को

निशाना बनाए जाने को खालिस्तान समर्थकों से जोड़कर देखा जा रहा है। दक्षिण कैलिफोर्निया के चिनो हिल्स इलाके में स्थित मंदिर की दीवारों पर भारत विरोधी नारे लिखे गए और मन्दिर को क्षति पहुंचाई गयी। माना जा रहा है कि खालिस्तान जनमत संग्रह से पहले साजिश के तहत ये हमला किया गया है। कुछ दिन पहले न्यूयार्क में भी स्वामीनारायण मंदिर पर भी हमला हुआ था। 25 सितंबर को कैलिफोर्निया के सेक्रामेंटो स्थित स्वामीनारायण मंदिर को भी निशाना बनाया गया था, तोड़फोड़ की गई और उस पर आपत्तिजनक संदेश भी लिख दिए गए हैं। आपत्तिजनक यह है कि अमेरिका, ब्रिटेन व कनाडा में सक्रिय ऐसे तत्वों को इन देशों की सरकारों द्वारा राजनीति के चलते खुला समर्थन देना एवं अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर प्रश्रय दिया जाना बर्दाश्त से बाहर होता जा रहा है, कब तक खामोश रहा जाये? कैलिफोर्निया में स्वामीनारायण मंदिर पर हुई घटना से पहले लंदन में विदेश मंत्री एस जयशंकर के गाड़ी के सामने खालिस्तान समर्थकों ने प्रदर्शन किया था, जिसे सामान्य घटना नहीं माना जा सकता। जो खालिस्तान समर्थक विदेश मंत्री के काफिले तक कूद गया, वह सुनियोजित ढंग से हमला भी कर सकता था। निश्चित तौर पर यह ब्रिटिश पुलिस की कोताही एवं लापरवाही है। उस समय खालिस्तानी उग्रवादी ने भारतीय राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगे' का भी अपमान किया। विडंबना यह है कि अमेरिका, ब्रिटेन व कनाडा के साथ पाकिस्तान, बांग्लादेश की सरकारें ऐसे हमलों व मंदिरों को अपवित्र करने, उनको नुकसान पहुंचाने, अराजक माहौल खड़ा करने की घटनाओं को अभिव्यक्ति की आजादी के दायरे में रखकर आंखें मूंद लेती है या कुछ देश कट्टरतावाद के चलते उन देशों के अल्पसंख्यक समुदायों पर तरह-तरह के हमले होने देती है। यह विडम्बना ही है कि जब दूसरे देशों में उनके धर्म के लोगों के पूजा स्थलों पर हमले होते हैं तो उसे धार्मिक आजादी व मानवाधिकारों का संकट बताने लगते हैं, फिर हिन्दू मन्दिरों एवं आस्था पर हो रहे ऐसे हमलों को लेकर दोहरी मानसिकता एवं दोहरा मापदण्ड क्यों? क्यों भेदभावपूर्ण मानसिकता है? निश्चित रूप से ऐसे ही रवैये से भारत के साथ इन देशों के संबंधों में खटास आती है। ऐसे ही अलगाववादियों के कृकृत्यों व कनाडा सरकार के अलगाववादियों को संरक्षण देने के चलते ही दोनों देशों के संबंध सबसे खराब दौर में पहुंचे हैं। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे हमलों के कारण ही दोनों देशों के संबंध बिगड़ चुके हैं। आतंक से जो जन्मती है, वह संस्कृति नहीं होती है, उसमें पाशविकता होती है, उसमें जानवर विद्यमान होते हैं। ऐसे व्यक्ति, संगठन एवं देश किसी के प्रिय नहीं हो सकते, वे मानवता को त्राण नहीं, संत्रास देते हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस तरह की कुत्सित कोशिशों की तीव्र निंदा एवं भर्त्सना की है, सवाल यह उठता है कि जब ऐसी आजादी किसी सभ्य समाज के अहसासों से खिलवाड़ करे और दूसरों की धार्मिक आजादी का अतिक्रमण करने लगे तो क्या उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करनी चाहिए? दरअसल, ये घटनाक्रम इन देशों के दोगले मापदंड उजागर करते हैं। दूसरे देशों में सांप्रदायिक असहिष्णुता और कथित भेदभाव के आंकड़े जारी करके दबाव बनाने वाले तथाकथित सभ्य देश अपने क्रियाकलापों से बेनकाब हो रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका में करीब एक दर्जन मंदिरों को अपवित्र करने की कुत्सित कोशिश हुई, लेकिन ऐसे तत्वों के खिलाफ दिखावे के लिये भी कार्रवाई नहीं की गई। किसी हमले की जांच भी नहीं हुई। जबकि प्रत्येक संप्रदाय की धार्मिक आजादी की रक्षा करना अमेरिकी सरकार का नैतिक दायित्व है। अमेरिका खुद को धर्मनिरपेक्षतावादी एवं मानवाधिकार का हिमायती मानता है। आखिर अमेरिका जैसे शक्तिसंपन्न राष्ट्र में मंदिरों को सुरक्षा क्यों नहीं मुहैया करायी जाती? बीते साल भी कनाडा में हिंदू महासभा के मंदिर में हमला करके बच्चों व महिलाओं तक को पीटा गया था। लेकिन ट्रूडो सरकार खामोश रही। लेकिन जैसी करनी वैसी भरनी की कहावत के अनुसार ट्रूडो सरकार बिखर गयी, धराशायी हो गयी। निश्चित रूप से पश्चिमी देशों की सरकारों को अभिव्यक्ति की आजादी की सीमा व गरिमा तय करनी होगी। लगातार हो रहे इन हमलों के बाद भी हिन्दू समुदाय शांति और करुणा की ही बात करता आया है। पर एक बड़ा सवाल ये है कि आखिर कब तक यह सिलसिला चलेगा? क्या अमेरिकी एवं ब्रिटेन प्रशासन इस पर कोई ठोस कदम उठाएंगे? हाल ही में ब्रिटिश गृह मंत्रालय की रिपोर्ट में ऐसे अतिवादियों के उभार को ब्रिटिश कानून व्यवस्था के लिये खतरा बताया गया था। आतंक किसी एक देश नहीं, सम्पूर्ण मानवता के लिये गंभीर खतरा है। लेकिन इसके बावजूद ऐसे मामलों की अनदेखी की जा रही है।

मुख्यमंत्री स्टालिन का हिन्दी विरोध और भ्रष्टाचार पर चुप्पी

योगेंद्र योगी

मुख्यमंत्री एम के स्टालिन को देश को खोखला करने वाले भ्रष्टाचार के कैंसर की परवाह नहीं पर देश की एकता, समरसता और अखंडता के लिए जरूरी हिन्दी भाषा की केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई राष्ट्रीय नीति का जम कर विरोध कर रहे हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन जिस तरह की राजनीति कर रहे हैं उससे लगता है कि तमिलनाडु भारत का हिस्सा नहीं होकर कोई अलग देश है। उन्होंने कहा कि सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति को राज्य में लागू नहीं करेगी, चाहे केंद्र सरकार इसके बदले 10,000 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता ही क्यों न दे। स्टालिन ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने समग्र शिक्षा अभियान के तहत मिलने वाले 2,000 करोड़ रुपये की राशि रोकने की धमकी दी थी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर इसकी शिकायत भी की। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने स्टालिन के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि तमिलनाडु सरकार राजनीतिक लाभ के लिए हिंदी थोपने का फर्जी नैरेटिव बना रही है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का जितना विरोध तमिलनाडु की स्टालिन सरकार कर रही है, उतना देश के किसी अन्य राज्य ने नहीं किया। यहां तक की बात-बात पर केंद्र की भाजपा सरकार से टकराने को तैयार रहने वाली पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी इस मुद्दे पर मुखर नहीं दिखी। विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग ने 1948-49 में डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन की अध्यक्षता वाले आयोग ने हिंदी को केंद्र सरकार के कामकाज की भाषा बनाने की सिफारिश की थी। आयोग की सिफारिश थी कि सरकार के प्रशासनिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक कामकाज अंग्रेजी में किए जाएं। इस आयोग ने कहा था कि प्रदेशों का सरकारी कामकाज क्षेत्रीय भाषाओं में हो। राधाकृष्णन आयोग की यह सिफारिश ही आगे चलकर स्कूली शिक्षा के लिए त्रिभाषा फार्मूला के नाम से मशहूर हुआ। इस सिफारिश को राष्ट्रीय शिक्षा आयोग (कोठारी आयोग) ने 1964-66 में स्वीकार किया। इंदिरा गांधी की सरकार की ओर से पारित राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1968 में इसे शामिल किया गया। सरकार ने प्रस्तावित किया कि माध्यमिक स्तर तक हिंदी भाषी राज्यों में छात्र हिंदी और अंग्रेजी के अलावा दक्षिणी भाषाओं में से एक और गैर-हिंदी भाषी राज्यों में क्षेत्रीय भाषा और अंग्रेजी के साथ हिंदी सीखें। राजीव गांधी सरकार में 1986 में बनी राष्ट्रीय शिक्षा नीति और नरेंद्र मोदी सरकार में 2020 में बनी राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी इसी फार्मूले को रखा गया। लेकिन इसके क्रियान्वयन में लचीलापन लाया गया। पिछली राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विपरीत 2020 में बनी नीति में हिंदी का कोई उल्लेख नहीं है। इसमें कहा गया है कि बच्चों द्वारा सीखी जाने वाली तीन भाषाएं राज्यों, क्षेत्रों और निश्चित रूप से स्वयं छात्रों की पसंद होंगी, बशर्ते कि तीन भाषाओं में से कम से कम दो भारत की मूल भाषाएं हों। यह पहला मौका नहीं है जब तमिलनाडु में हिंदी विरोध की आड़ में राजनीतिक की जा रही है। हिन्दी का विरोध करना तमिलनाडु में वोट बैंक साधने का साधन बन चुका है। स्टालिन की पार्टी द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) ही नहीं इससे पहले सत्ता में रहे अन्य क्षेत्रीय दल भी वोटों की खातिर हिंदी विरोध के मुद्दे को भुनाते रहे हैं। तमिलनाडु में हिंदी विरोधी आंदोलनों का करीब सौ साल पुराना है। केरल और कर्नाटक के विपरीत तमिलनाडु में दो भाषा फार्मूले का पालन किया जाता है। इसके तहत छात्रों को केवल तमिल और अंग्रेजी पढ़ाई जाती है। साल 1937 में मद्रास में सी राजगोपालाचारी की सरकार ने माध्यमिक विद्यालयों में हिंदी को अनिवार्य बनाने का प्रस्ताव रखा था। इसका जस्टिस पार्टी ने विरोध किया था। हिंदी के विरोध में हुए आंदोलन में थलामुथु और नटराजन नाम के दो युवकों की जान चली गई थी। बाद में वो हिंदी विरोधी आंदोलन के प्रतीक बन गए। इस विरोध के आगे झुकते हुए राजाजी को इस्तीफा देना पड़ा था। वहीं 1960 के दशक में जब देश में हिंदी को आधिकारिक भाषा बनाने की समय सीमा आई तो तमिलनाडु में हिंसक विरोध प्रदर्शन होने लगे। हिंदी विरोधी इस आंदोलन में पुलिस कार्रवाई और आत्मदाह की घटनाओं में करीब 70 लोगों की जान चली गई थी। मौजूदा स्टालिन सरकार हिन्दी का जिस कदर विरोध कर रही है, भ्रष्टाचार के मुद्दों पर कभी उतनी मुखर नहीं रही है।

हर पर्व पर रक्त आकांक्षा

एक खतरनाक प्रवृत्ति तेजी से पनपी है। धार्मिक शोभा-यात्राएं अब शक्ति-प्रदर्शन का जरिया बन चली हैं। समूची दुनिया में जब सांप्रदायिक उन्माद पनप चला हो, तब भारत पुरानी परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए मिसाल बन सकता था। होली के दिन रंग और उल्लास के बीच मेरा मन डोल रहा था। पिछला पखवाड़ा अपशकुनी संदेशों से बजबजाता बीता था। दो राज्यों में तो देश के दो सबसे बड़े समुदाय भिड़ भी चुके थे। होली परंपरागत तौर पर प्रेम और भाईचारे का त्योहार है। यह त्योहार हम हिन्दुस्तानियों की खीती ताहि बिसारकर आगे की राह पकड़ लेने की रीति-नीति का जीवंत उदाहरण भी है। इस सवाल के जवाब के लिए मैं आपको पत्रकारिता के अपने शुरुआती दिनों में गोते लगाने के लिए आमंत्रित करता हूं। 1980 की दहाई के शुरुआती बरसों की मुझे वाराणसी और इलाहाबाद (माफ कीजिएगा, प्रयागराज) की वे बैठकें याद हैं, जो हर खास त्योहार से पहले कोतवाली में आयोजित की जाती थीं। इनको अमन कमेटी की बैठक कहा जाता था। जिले के आला अफसरों के साथ तमाम पुजारी, संत, मठाधीश, मौलवी, मुफ्ती, मौलाना और अन्य 'संभ्रांत' लोग इनमें हिस्सा लेते। घंटों की बातचीत के बाद हर साल यही निष्कर्ष निकलता कि सभी समुदाय मिल-जुलकर त्योहार मनाएंगे। इस दौरान आला अधिकारी चाशनी पगे शब्दों में धमकी देना न भूलते कि कानून हाथ में लेने की जरा सी कोशिश भी महंगी पड़ेगी। होली पुलिस वालों के लिए अन्य त्योहारों के मुकाबले अधिक कठिनाई लेकर आती। इस वर्ष की भांति पहले भी जब होली जुमे के दिन होती, तो उनकी जान सांसत में पड़ जाती। उस वक्त दोनों समुदायों की संवेदनाओं को आसानी से भड़काया जा सकता था। उत्तर भारत के कुछ शहर ऐसे थे, जहां त्योहारों के आस-पास प्रायः हर साल दंगे भड़क उठते। दंगों के दौरान दोनों धर्मों के कुछ कट्टरपंथी अपने संगी-साथियों पर दबाव बनाते कि भविष्य में 'उन लोगों' से कोई कार्य-व्यापार नहीं रखना है। यह कटुता कुछ दिनों में हवा में कपूर की भांति विलीन हो जाती। लड़खड़ाने और हर लड़खड़ाहट के बाद सम्हलकर आगे चल पड़ने में हम भारतीयों को महारत हासिल है। 'सेंटर फॉर स्टडी ऑफ सोसायटी ऐंड सेक्यूलरिज्म' (सीएसएसएस) के मुताबिक, साल 2024 में सांप्रदायिक दंगे की 59 घटनाएं घटीं, जबकि 2023 में ऐसी दुखद घटनाओं की संख्या 32 थी। महज एक साल में 84 फीसदी का इजाफा! चौंकाने वाला यह मनहूस आंकड़ा डराता भी है। इन घटनाओं में 13 लोगों को जान गंवानी पड़ी और सैकड़ों घायल हो गए। इनमें से ज्यादातर दंगे धार्मिक उत्सवों के समय हुए। संगठन की रिपोर्ट आगे बताती है, इनमें से चार सांप्रदायिक झड़पें रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के समय, सात सरस्वती पूजा में मूर्ति विसर्जन के वक्त, चार गणेश उत्सव के दौरान और दो बकरीद के समय हुए। इसी संगठन ने पिछले साल भीड़ हिंसा की 13 घटनाओं में 11 लोगों की मौत के आंकड़े प्रकाशित किए थे, जिनमें मुस्लिम, हिंदू और ईसाई, हर धर्म के लोग शिकार बने थे। क्या आपको अब भी नहीं लगता कि यह समय साझा सकारात्मक सोच विकसित करने का है? ऐसा कहने की एक और वजह भी है। इस दौरान एक खतरनाक प्रवृत्ति तेजी से पनपी है। धार्मिक शोभा-यात्राएं अब शक्ति-प्रदर्शन का जरिया बन चली हैं। समूची दुनिया में जब सांप्रदायिक उन्माद पनप चला हो, तब भारत पुरानी परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए मिसाल बन सकता था, लेकिन इसका उलटा हो रहा है। होली, दिवाली, ईद या बकरीद से बात काफी आगे बढ़ गई है। पिछले दिनों इजरायल पर आतंकी हमले के बाद उसकी जवाबी कार्रवाई पर हमारे देश में भी कटु कुतर्कों से भरपूर बहस चल पड़ी थी। महीनों तक 'इनके' या 'उनके' खिलाफ अनर्गल प्रलाप माहौल में जहर घोलता रहा।

तू तो रंग लगा दे यार

रंग पंचमी विशेष...

तू तो रंग लगा दे यार
बरस बीतता
तब आता है
होली का त्यौहार।
सब अपनो को
रंग लगा दे
मत कर
आज विचार।
ना ना करने वालों
की मत सुन
कोई पुकार
मना को मान ले
मत इन्कार
तू तो रंग
लगा दे यार।

नन्दकिशोर राठौर, मन्दसौर

जिले के सभी उपार्जन केंद्रों पर बेहतर प्रबंध सुनिश्चित करें-चंद्रा

कलेक्टर ने की समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन की समीक्षा

नीमच, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी का कार्य 15 मार्च 2025 से प्रारंभ हो गया है। जिले में कुल 29 खरीदी केंद्र स्थापित किए गए है। गेहूं उपार्जन के लिए अब तक जिले के 11 हजार 325 किसानों ने अपना पंजीयन करवाया है। सभी उपार्जन केंद्रों पर किसानों की सुविधा के लिए सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए जाए। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी कार्य की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड, सभी एसडीएम, कृषि, खाद्य, जिला केंद्रीय सहकारी बैंक सहित उपार्जन कार्य से जुडे अधिकारीगण उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए, कि उपार्जन कार्य के लिए खरीदी केंद्र पर तैनात किए गए कृषि विभाग के ग्रामीण कृषि विकास विस्तार अधिकारी नोडल अधिकारी के रूप में खरीदी केंद्र पर पूरे समय उपस्थित रहकर, एफएक्यून श्रेणी का गेंहूका उपार्जन सुनिश्चित करेंगे। किसी भी केंद्र पर नॉन एफ.ए.क्यू. गेहूं का

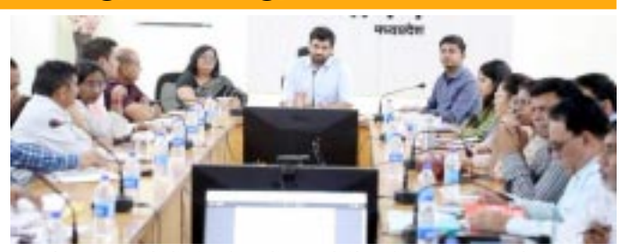

उपार्जन ना हो, इसकी जिम्मेदारी संबंधित सर्वेयर एवं केंद्र के नोडल अधिकारी की रहेगी। कलेक्टर ने उपार्जन केंद्रों पर खरीदे गये गेहूं को उसी दिन 12 घण्टे की समय सीमा में परिवहन कर, निर्धारित गोदाम में भण्डांरित करने के निर्देश भी नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबंधक को दिए। उन्होने सभी केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में बारदाना उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने आगामी दिनों में मौसम के पूर्वानुमान एवं बारिश की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए उर्पाजित गेहूं को सुरक्षित रखने की पर्याप्त व्यवस्था भी करने के निर्देश संबंधित अधिकारियो को दिए। कलेक्टर ने दुग्ध समितियों को क्रियाशील बनाने, दुग्धि समितियों के सदस्यों, दुग्ध उत्पादकों को पशुपालन के केसीसी बनाने के लिए फार्म भरवाने के निर्देश भी दुग्ध संघ एवं जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक को दिए।

पेयजल समस्या के समाधान की ठोस योजना बनाए– बैठक में कलेक्टर ने जिले के नगरीय क्षेत्रों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रीष्मकाल में संभावित पेयजल समस्या से निपटने के लिए अभी से कार्ययोजना तैयार करने, सार्वजनिक एवं निजी जल स्त्रोतों को अधिग्रहण करने के लिए चिन्हित करने तथा ग्रीष्मकाल में पर्याप्त पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश सभी संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने नीमच नगरपालिका के सीएमओ को जाजू सागर जलाश्य से अवैध रूप से विद्युत पम्प के माध्यम से सिंचाई करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करने और जाजू सागर का जल पेयजल के लिए संरक्षित करने के निर्देश दिए।

शीतला सप्तमी पर्व 20 मार्च 2025, गुरूवार के उपलक्ष्य में विशेष...

घरोंदे बनाने से पूरी होती है घर की मन्नत, नि:संतान को मिलता है घर का चिराग

अपरम्पार है चमत्कारिक खिड़की माताजी की लीला

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। भारतीय संस्कृति, धार्मिक स्थलों और गौरवमयी इतिहास की त्रिवेणी माने जाने वाले मन्दसौर में जीवनदायिनी माँ शिवना के तट पर स्थित अतिप्राचीन खिड़की माताजी का मंदिर पौराणिक महत्व, अभूतपूर्व इतिहास और चमत्कारिक दर्शनों को लेकर एक विशेष स्थान रखता है। खिड़की माताजी की लीला न केवल चमत्कारिक बल्कि अपरम्पार भी है।

माताजी के दरबार में करीब 4 पीढ़ी से सेवा-पूजा कर रहे परिवार के प्रतिनिधियों पंडितगण कैलाशजी, दुर्गाशंकरजी, रमेशजी व सुरेशजी परमार के मुताबिक खिड़की माताजी की चमत्कारिक प्रतिमा करीब 350 वर्ष पूर्व मंदिर के समीप ही शिवना तट पर एक बरगद के पेड़ के नीचे प्रकट हुई थी। प्राकट्य के बाद से ही माताजी का आशीर्वाद और चमत्कार देखने लायक रहा। लोगों का हर कष्टहरने वाली खिड़की माताजी के मन्दिर में न केवल रोगों से मुक्ति मिलती है बल्कि मंदिर परिक्षेत्र में पत्थरों का घरोंदा बनाकर मन्नत मांगने से भक्तों के मकान की मन्नत भी पूरी हो जाती है। इतना ही नहीं नि:संतान दम्पत्ति व परिवार पर भी माता का आशीर्वाद बरसता है और संतान की प्राप्ति होती है। बताया जाता है कि, मन्नत पूरी होने पर भक्त यहां माता के दरबार में खीर, पुडी व हलवे की प्रसादी का भोग लगाकर माताजी का आशीर्वाद प्राप्त करते है।

नवरात्रा में उमड़ता है श्रद्धा का सैलाब– वैसे तो खिड़की माता के दरबार में हर दिन भक्त अपनी मनोकामना लेकर पहुंचते ही है लेकिन नवरात्रा में यहां का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। चैत्र और शारदेय नवरात्रा में माता के दरबार में न केवल विविध आयोजन होते है बल्कि भक्तों का सैलाब भी जमकर उमड़ता है। मन्दसौर से लेकर मालवांचल और सीमावर्ती राज्यों से लेकर दूर-दराज तक के लोग यहां पहुंचते है, मान्यतानुसार घरोंदे बनाकर अपने घर की मन्नत माताजी के दरबार में करते है। नि:संतान परिवार भी माताजी की दरबार में मन्नत का धागा बांधते है और फल प्राप्ति में उन्हें वंशज की प्राप्ति होती है। शीतला सप्तमी पर्व पर नगरपालिका और मंदिर प्रबंध समिति के तत्वावधान में लगने वाला मेला आकर्षण का केन्द्र रहता है।

जारी है माताजी के दरबार का कायाकल्प– वर्षों पुराने अति प्राचीन धार्मिक स्थलों में शुमार श्री खिड़कीमाता मंदिर के कायाकल्प को लेकर करीब 16 साल पहले श्री खिड़की माता मंदिर समिति और जनप्रतिनिधियों ने पहल की जो निरंतर जारी है। इन सालों में धोलपुर के लाल पत्थरों से मंदिर पूरी तरह सजकर तैयार हो गया। माताजी के दरबार में भक्तों के लिये आवश्यक सुविधाएं तैनात है। इतना ही नहीं 23 सितम्बर 2009 से शुरू हुआ जीर्णोद्धार करीब-करीब पूरा हो गया है। मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम ने भी खिड़की माता मंदिर के पौराणिक महत्व और भक्तों की आस्था को देखते हुए यहां दर्शनार्थियों के लिये 30 लाख रूपये की लागत से विश्राम शेड सहित अन्य निर्माण कार्यों को पूर्ण करवाया है। इसके अलावा सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया, पूर्व नपाध्यक्ष स्व. प्रहलाद बंधवार, नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर, समाजसेवी कोमल बाफना व मोहनलाल चौधरी (चम्बल रेडियो) सहित धर्मालुओं ने भी विभिन्न माध्यमों से मंदिर के विकास में अपना हरसंभव योगदान दिया है। आज पर्यटन के मानचित्र पर खिड़की माता मंदिर एक दर्शनीय स्थल के रूप में विकसित होता दिखाई दे रहा है। माताजी के दरबार में हर वर्ग पूरी श्रद्धा से विकास के लिये आहूति के लिये कटिबद्ध दिखाई देता है।

सुलभ हुआ माता के दरबार में पहुंचना-सालों पहले खिड़की माता मंदिर तक पहुंचने के लिये भक्तों को भारी तपस्या करना पड़ती थी। पथरीले और जंगल भरे इलाकों से गुजरकर भक्त यहां पहुंचते थे लेकिन विकास के दौर में अब माताजी के मंदिर तक पहुंचना पूरी तरह सहज व सुलभ हो गया है। मंदिर समिति और जनप्रतिनिधियों के संयुक्त प्रयासों से मंदसौर बायपास से सीधे मन्दिर तक न केवल पक्का रोड बन गया है बल्कि जगमगाती लाईटे देखकर ही विकास का अंदाजा लग जाता है।

संकलनकर्ता–राहुल सोनी (माहेश्वरी)

सीए ब्रांच मंदसौर का होली मिलन समारोह सम्पन्न

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। रंगीन फूलों के साथ होली मिलन समारोह का आयोजन अत्यन्त मन मोहने वाला है। आज शहर के सभी चार्टर्ड अकाउंटेंट अपने परिवार व विद्यार्थियों के साथ मिलकर रंगों के इस त्यौहार को साथ साथ मना रहे हैं। यह आयोजन अपने आप में एक नयी छटा बिखेर रहा है। इसी प्रकार आप वर्ष भर परिवार व विद्यार्थियों के साथ विभिन्न आयोजन करते रहें और शहर में सद्भावना का वातावरण निर्मित करें।

उक्त विचार नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर ने मन्दसौर सीए ब्रांच द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मन्दसौर ब्रांच के अध्यक्ष सीए राजेश मंडवारिया ने कहा कि हर रंग का अपना महत्व होता है और जब सारे रंग एक साथ मिल जाते हैं तो होली का उत्साहपूर्ण वातावरण पैदा कर देते हैं। इसी प्रकार हमारा प्रत्येक सदस्य एक नयी विविधता लिये हुए है और जब हम सभी सदस्य उत्साह व सकारात्मकता के साथ मिलजुलकर कोई आयोजन करते हैं तो वह उत्सव का रूप ले लेता है। आज होली मिलन समारोह में भी हम सभी अपने अपने विविधता के रंग लेकर सम्मिलित हुए हैं और एक नयी ऊर्जा को महसूस कर रहे हैं। अतिथि स्वागत ब्रांच उपाध्यक्ष सीए विनय अग्रवाल, सचिव सीए नीतेश भदादा, कोषाध्यक्ष सीए अर्पित नागर, सिकासा चेयरमैन सीए अर्पित मेहता व सीपीई कमेटी चेयरमैन सीए सिद्धार्थ अग्रवाल ने किया। अतिथियों द्वारा वर्ष 2024.25 के पदाधिकारियों को उनकी सेवाओं के लिये सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कृष्ण व राधा के रूप में श्रीमती प्रीति जैन व श्रीमती ज्योति काला ने अपने आकर्षक नृत्य से सबका मन मोह लिया। अनेक आकर्षक प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया जिनमें प्रथम पुरस्कार सीए रचित-श्रीमती दिक्षिता जैन, द्वितीय पुरस्कार सीए रितेश - श्रीमती सिम्मी पारिख व तृतीय पुरस्कार सीए विशाल - श्रीमती आरती भरभाया को प्रदान किया गया। सर्वप्रथम आगंतुक का पुरस्कार कु. महिमा मोटवानी को प्रदान किया गया। अतिथियों को स्मृति चिन्ह सीए विजयसिंह पामेचा, सीए दिनेश जैन, सीए विकास भंडारी व सीए आशीष जैन ने भेंट किये। सीए मोटो सांग की प्रस्तुति कु. महिमा मोटवानी व प्रेक्षा बाफना ने दी। कार्यक्रम का संचालन सीए आयुष जैन ने किया। आभार प्रदर्शन सचिव सीए नीतेश भदादा ने किया।

चित्रकला विषय की प्रायोगिक परीक्षा कल

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मन्दसौर के प्राचार्य प्रो. जे.एस. दुबे ने बताया कि बी.ए. प्रथमब द्वितीय एवं तृतीय वर्ष नियमित एवं स्वाध्यायी चित्रकला विषय के विद्यार्थियों की प्रायोगिक परीक्षा दिनांक 20 मार्च, 2025 को प्रात: 11 बजे से चित्रकला विभाग में आयोजित की गई है। अत: सम्बन्धित विद्यार्थी निर्धारित समय पर प्रायोगिक परीक्षा में आवश्यक दस्तावेजों के साथ अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे। अनुपस्थित रहने पर छात्र स्वयं जिम्मेदार रहेंगे। विस्तृत जानकारी हेतु विद्यार्थी चित्रकला विभाग में सम्पर्क करें।

लोक जैव विविधता पंजी के निर्माण हेतु जनपद मंदसौर में पीआरए बैठकें आयोजित

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिले में लोक जैव विविधता पंजी (People's Biodiversity Register - PBR) के निर्माण कार्य के अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में PRA (Participatory Rural Appraisal) बैठकों का आयोजन किया गया। यह कार्य झख प्रोफेसर नौरीन कुरैशी, सहायक प्राध्यापक, वनस्पति शास्त्र, शासकीय कन्या महाविद्यालय, मंदसौर एवं Co-PI प्रोफेसर संदीप सोनगरा, सहायक प्राध्यापक, प्राणीशास्त्र, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मंदसौर के नेतृत्व में किया गया। इस अभियान में माननीय डॉ. रामप्रताप सिंह पवार, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत मंदसौर एवं प्रभारी सीओ, जनपद मंदसौर, तथा श्री लोकेश दुबे, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर, जनपद मंदसौर का विशेष सहयोग रहा।

पीआरए बैठकें ग्राम पंचायत निम्बोद, सरसोद, लाल कुआं, रिछा लालमुहाँ, सोनगिरी, आक्या उमाहेड़ा, बोहराखेड़ी, रलायता, रेवास देवड़ा, खिलजीपुरा, अफजलपुर, सौंधनी, मोहम्मदपुरा, फतेहगढ एवं अचेरा में आयोजित की गई। इन बैठकों में ग्राम पंचायत के सचिव, सहायक सचिव एवं स्थानीय ग्रामीणों की उपस्थिति रही। बैठक के दौरान ग्रामवासियों से उनके क्षेत्र में पाए जाने वाले पौधों, कृषि से संबंधित परंपरागत ज्ञान, औषधीय पौधों की जानकारी एवं जैव विविधता से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। यह पहल ग्रामीण स्तर पर पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण, जैव विविधता के दस्तावेजीकरण एवं सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। झठअ बैठकों से प्राप्त जानकारी के आधार पर लोक जैव विविधता पंजी तैयार की जाएगी, जो पर्यावरण संरक्षण एवं ग्रामीण समुदायों के सतत विकास में सहायक सिद्ध होगी।

श्री खिड़की माता मेला में आकृति मिश्रा की भजन संध्या कल

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। नपाध्यक्ष श्रीमति रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला, मेला सभापति श्रीमती भावना जयप्रकाश पमनानी, सीएमओ श्री सुधीर कुमार सिंह, मेला अधिकारी श्री पीएस धारवे ने बताया कि प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी श्री खिडकी माता मंदिर परिसर में नपा परिषद के द्वारा मेला का आयोजन किया जाएगा दिनांक 20 मार्च को श्री शीतला सप्तमी पर्व के उपलक्ष में प्रात: 11:30 बजे से सांयकाल तक श्री खिडकी माता मेला परिसर में आकृति मिश्रा (जयपुर) की भजन संध्या का आयोजन होगा इस अवसर पर मेला के शुभारंभ अवसर पर प्रात: 11:30 बजे नगर पालिका के द्वारा आमंत्रित अतिथियों के द्वारा मेला का शुभारंभ होगा इस अवसर पर अतिथि के रूप में लोकसभा सांसद श्री सुधीर गुप्ता राज्यसभा, सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री राजेश दीक्षित, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा डॉ विजय पाटीदार, पूर्व विधायक व भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री यशपाल सिंह सिसोदिया, भाजपा महिला नेत्री एवं प्रदेश कार्य समिति सदस्य श्रीमती सुषमा आर्य, समाज सेविका अनीता दीदी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती मनुप्रिया विनीत यादव, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती निर्मला गुप्ता, भाजपा जिला मंत्री प्रीति रोखले, भाजपा उत्तर मंडल अध्यक्ष श्री अरविंद सारस्वत, भाजपा दक्षिण मंडल अध्यक्ष श्री विनोद डगवार, समाज सेवीका वृतीका पारीख ,श्रीमती किरण मावर, पूर्व नपाध्यक्ष श्रीमती रेणुका रामावत, श्रीमती कुसुम गुप्ता, जिला योजना समिति सदस्य श्रीमती भारती धीरज पाटीदार, समाज सेवीका श्रीमती एकता मेहता, किरण मंडोवरा, पुष्पा भंडारी विद्या कडौतिया, ममता खींची सुनीता गुजरिया (पार्षद), बिंदु चंद्रे, रानू भावसार, वंदना भवसार, बिना जैन होगी। मंदसौर नगर व जिले के सभी गणमान्य महानुभावो व माता बहनों से निवेदन है कि वे इस कार्यक्रम में शामिल होवे, इस आशय की अपील मेला समिति सदस्यगण प्रमिला संजय गोयल मंजू अनिल मालवीय प्रतिभा विक्रम भेरवे, प्रीतम पंचोली ने की है।

अपर कलेक्टर श्रीमती गामड़ ने जनसुनवाई में 85 आवेदकों की सुनी समस्याएं

नीमच, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। अपर कलेक्टर श्रीमती लक्ष्मी गामड ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई करते हुए 85 आवेदकों की समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इस मौके पर एसडीएम श्री संजीव साहू, संयुक्त कलेक्टर डॉ.ममता खेडे, डिप्टी कलेक्टर डॉ.रश्मि श्रीवास्तव एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में तारापुर के मोहम्मद आरीफ, हामाखेडी के देवकरण, स्टेशन रोडनीमच की सुगनाबाई, जमुनिया रावजी के रोडीलाल, नयागांव के हीरानाथ, सुवाखेड़ा केविनोद, रतनगढ की शांतिबाई,

जेतपुरा की प्रेमबाई, टीचर कॉलोनी नीमच के अनिल कुमार, तारापुर के जगदीश कुमावत, भोलाराम कम्पाउण्डर नीमच के सौभागमल जैन, नीमच सिटी के राहुल माली, बरखेडा कामलिया की नारायणीबाई, नया बाजार की कुंदन जायसवाल, स्कीम नं.36 ए की मनीषा शर्मा, घसुण्डीक बामनी के श्यामलाल, डिकेन के श्यामसुंदर पाटीदार, राज कालोनी नीमच के आलोक सोनी, धानका मोहल्ला नीमच के राहुल वाल्मिकी, ग्वालटोली नीमच के कमल प्रजापति आदि ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत कर, समस्याएं सुनाई।

मालवी बोली हमारी संस्कृति और विरासत है, इसको बचाना हम सबका कर्तव्य-मणिमहेश चैतन्य

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। चैतन्य आश्रम मैनपुरिया मंदसौर के गुरुदेव युवाचार्य महंत स्वामी श्रीमान मणिमहेश चौतन्य जी महाराज, पंडित दिनेश जी व्यास चैतन्य आश्रम के पुजारी से जब मुलाकात की थारो मारो प्रेम मालवी फिल्म के निर्माता निर्देशक राजेंद्र राठौड ने और उनकी पूरी टीम ने तो आप अभीभूत हुए बहुत सारा आशीष दिया और कहा गया कि यदि अच्छे विचार से अच्छी नीति से यदि कोई कार्य किया जाता है तो वह कार्य सफलता के शीर्ष तक पहुंचता है। अपने आशीर्वाद दिया की मालवी बोली के लिए आप कार्य कर रहे हैं मंदिरों पर्यटन स्थलों को और हमारे अंचल की विरासत को इस फिल्म में शामिल कर रहे हैं यहां के कलाकारों का अवसर मिल रहा है और इन कलाकारों को बॉलीवुड में स्थापित कलाकारों के साथ काम करने का अनुभव प्राप्त होगा उनसे सीखने को मिलेगा इससे बढ़िया और क्या बात हो सकती है। ज्ञात है की फिल्म के ऑडिशन मंदसौर उज्जैन भोपाल में हो चुके हैं प्रोमो शूट हो चुका है जल्द ही मुख्यमंत्री जी के कर कमलों से लांच होने वाला है।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	5	2250	2340
उडद	9	5000	5999
सोयाबीन	2944	3480	4100
गैहु	11500	2280	2750
चना	458	5101	5420
मसुर	120	5300	6072
धनिया	325	5200	7391
लहसुन	16000	4100	6800
मैथी	1242	3400	6081
मुंगफली	751	4452	5300
अलसी	1009	5000	5880
सरसो	290	5140	5480
तारामीरा	1	7052	7052
इसबगोल	64	8500	12900
प्याज	1626	520	1601
कलोंजी	1	15801	15801
तुलसी बीज	0000	0000	0000
डॉलर	10	5501	8201
तिल्ली	1	8800	8800
जौ	15	1904	1940
किनोवा	215	4452	5300
असालीया	81	5600	5900
चियाबीज	51	10500	13999

समरसता का भाव जगाती होली...

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। यह भारत के उत्सवो की जीवंतता ही तो ही हे की विभिन्न उत्सव समाज को कोई न कोई संदेश देते हे। उत्सवो के माध्यम से हम हमारी संस्कृति, इतिहास और परंपरा से साक्षात्कार करते हे। रस, रंग, माधुर्य, उत्साह, स्नेह, समरसता और आंतरिक उल्लास को उभारने वाले सांस्कृतिक महापर्व का नाम हे होली। विरासते भूलने के लिए नही होती है वे तो स्मृति का अमृत होती है। होली के साथ कितनी ही स्मृतियां जुडी हे। इस उत्सव पर जाने कितनी कविता और कहानियां हे। होली के रंग सृजन की स्याही हे और अबीर तथा गुलाल उसकी अभिव्यक्ति। होली निज का नही लोक का उत्सव हे। होली के साथ भक्त प्रहलाद की स्मृति जुडी हे। इस कथा का संदेश बडा महत्वपूर्ण है। हिरणकश्यप की बहन होलिका को वरदान प्राप्त था की वह आग में भस्म नही होगी इसलिए प्रहलाद को गोद में लेकर वह लकड़ियो की वेदिका के बीच बैठ गई थी किंतु प्रहलाद की ईश्वर के प्रति उसकी अडिग आस्था ने उसके वरदान को शाप में बदल दिया और वह भस्म हो गई। आस्था हो और वह अडिग हो तो उसके तेज में अहंकार भस्म हो जाता है। वरदान शाप में बदल जाता है और व्यक्ति ऐसा निर्भय हो जाता है की उसे किसी का भय नही रहता। होली अहंकार की पराजय का भी प्रतीक हे। होली एकमात्र उत्सव हे जो भूलने का भी हे और याद करने का भी इस उत्सव पर हम सभी एक दूसरे के प्रति बेर, की गई गलतियों और मतभेद सब भूल जाते हे और याद रखते हे तो केवल स्नेह और आत्मीयता। होली का उत्सव दुखद क्षणो को तिलांजलि देकर परिवार व समाज में उत्साह के वातावरण का सृजन करता है। इस उत्सव से दुख एवम असमय वज्रघात सहन करने वाले परिवार में उत्सव की शुरुआत हो जाती हे। होली समरसता का भाव जगाने वाला उत्सव हे क्योंकि इस दिन सभी व्यक्ति एक जैसे होते है सबके चेहरे लाल, हरे, पीले रंगो में रंगे होते हे किसी भी व्यक्ति को उंच्च नीच व छोटे बड़े का आभास नही होता। होली उत्सव अपने में अनेक प्रकार की धार्मिक, सामाजिक रीति नीति और उद्देश्य समाहित किए हुवे हे जिसकी सीख का व्यापक दायरा हे। जिंदगी जब सारी खुशियों को स्वयं में समेटकर प्रस्तुति का बहाना मांगती है तब प्रकृति मनुष्य को होली जैसा उत्सव देती है। गरीब अमीर के बीच समानता का नाम है होली, बसंत के संदेश फागुन का उत्साह है होली, बिखरती मानवीय संवेदनाओं को जोडने का नाम है होली, समरस भारतीय समाज के एकीकरण के महाअनुष्ठान का नाम है होली। होली का पवित्र उत्सव मानवता के लिए यह संदेश लेकर आता हे की हम सब अपने अंतर्मन को द्वेष, इर्ष्या, घृणा, और बेर की गंदगी से मुक्त करे। ये सारे भाव हमारे हृदय को कलुषित करने का काम करते हे। इनके रहते हुए हम सच्चे मानवीय मूल्यो को कदापि स्पर्श नही कर सकते। मन में इनका होना ठीक उसी तरह हे जैसे की किसी अमूल्य वस्तु को दीमक का लगना। वास्तव में जब हमारा मन प्रेम, दया, करुणा, क्षमा, सहयोग व भाईचारे के सुंदर रंगो से रंगा होगा तो फिर किसी दुर्गुणों के लिए मन में कोई स्थान शेष न बचेगा। यदि प्रत्येक व्यक्ति इन सदभावो के रंग से स्वयं को रंग ले तो समाज में बुराइयो के लिए कोई स्थान नहीं होगा। ऐसा कर के ही हम सही अर्थों में होली मनाकर उसे सार्थक बनाकर उसका आनंद ले पाएंगे। रंगोत्सव होली का उत्साह सभी को समरसता के रंग में भिगोकर राष्ट्रीय एकता व अखंडता को मजबूत करने के लिए प्रेरित करे इसी भाव के साथ होली की आत्मीय शुभकामनाएं...

गौरव सोनी, मंदसौर

पत्र संपादक के नाम

संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

जनसमस्याओं के निराकरण की अभिनव पहल...

कलेक्टर ने जिला अधिकारियों के साथ मनासा में की जनसुनवाई

160 आवेदकों की समस्याओं को सुनकर दिए निराकरण के निर्देश

मनासा, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा जनसमस्याओं के निराकरण की अभिनव पहल करते हुए अब उपखण्डर, तहसील, विकासखण्ड, नगरीय निकाय, मुख्यालयों पर भी जनसुनवाई कर, जनसमस्याओं का निराकरण किया जा रहा हैं। इसी क्रम में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को उपखण्ड नीमच के जनपद सभाकक्ष मनासा में जिला अधिकारियों के साथ जनसुनवाई करते हुए 160 आवेदकों की समस्याएं सुनी और उनका समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एसडीएम श्री पवन बारिया, जनपद सीईओ श्री अरविंद डामोर, डिप्टी कलेक्टर श्री चंद्रसिह धार्वे, सुश्री किरण आंजना, पशु चिकित्सक डॉ.राजेश पाटीदार, विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी एवं विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में उषागंज मनासा के श्री निवास शांति सागर ने पीएम आवास योजना का लाभ दिलाने, कीरपुरिया के तुफानसिह बंजारा ने पी.एम.आवास की सर्वे सूची में नाम दर्ज करवाने, मेरियाखेडा के चतरूलाल ने राजस्व रिकार्ड में अपना नाम दर्ज करवाने संबंधी आवेदन कलेक्टर को प्रस्तुत कर अपनी समस्याएं सुनाई। इस पर कलेक्टंर ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिए। काछी मोहल्ला मनासा निवासी दिव्यांग राकेश ग्वाला ने दिव्यागों के भृत्य के पद पर भर्ती में पात्र होने के बावजूद नियुक्ति से वंचित करने की शिकायत पर कलेक्टर ने जाँच कर वस्तु स्थिति से अवगत कराने के निर्देश उप संचालक सामाजिक न्याय को दिए। मनासा के कमलेश कारपेंटर ने वाहन लोन की सभी किश्तें समय पर जमा करने के बावजूद ए.यू.बैंक द्वारा 42 हजार रूपए बकाया जमा करने का दबाव बनाने की शिकायत पर कलेक्टर ने एलडीएम को जाँच कर आवेदक को राहत दिलाने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में कलेक्टर श्री चंद्रा ने अहिल्यॉपुरा मनासा के राहुल पिता ओमप्रकाश कायस्त ने पत्नि के उपचार के लिए आर्थिक सहायता दिलाने के अनुरोध पर उपचार सहायता के लिए स्वैच्छा नुदान योजना के तहत प्रकरण तैयार कर स्वीकृति के लिए भिजवाने के निर्देश एसडीएम मनासा को दिए। ग्राम दुरूगपुरा के गोपाल पिता मानसिह दायमा ने अपने सात वर्षिय पुत्र मनोज का अपहरण कर उसके साथ मारपीट करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करने संबंधी आवेदन पर कलेक्टर ने थाना प्रभारी मनासा को कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने खानखेडी निवासी श्रीमती मंगला व्यास के आवेदन पर मंगला की कृषि भूमि पर उनकी पुत्री का नामांतरण करने के संबंध में परीक्षण कर कार्यवाही करने के निर्देश तहसीलदार मनासा को दिए।

आवेदकों को मिली सुविधा-समय की हुई बचत- इस तरह उपखण्डे मुख्यासलय मनासा पर कलेक्टर द्वारा जनसुनवाई करने से मनासा एवं क्षेत्र के ग्रामीणों को अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए उपखण्ड मुख्यालय पर ही सुविधा मिल गई है। दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र के ग्रामीणों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए जिला मुख्यालय नहीं आना पडा, इससे उन्हें समय एवं धन की बचत भी हुई हैं। कलेक्टर द्वारा उपखण्ड मुख्यालय पर की गई जनसुनवाई की ग्रामीणों ने सराहना की हैं।

मनासा में कलेक्टर ने दो आवेदकों को आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई- कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा मंगलवार को जिले के विकासखण्ड मनासा में जनसुनवाई कर, आमजनों की समस्याओं का निराकरण किया गया। जनसुनवाई में कुकडेश्वर के दिव्यांग नन्दकिशोर ने आवेदन प्रस्तुत कर ट्रायसिकल, बैशाखी एवं अनुदान राशि की मांग की, इस पर कलेक्टर ने रेडक्रास से तत्काल 10 हजार रूपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई हैं। साथ ही अहिल्यापुरा मनासा निवासी राहुल कायस्त को पत्नि साधना के उपचार हेतु रेडक्रास से 12 हजार रूपये की तत्काल आर्थिक सहायता कलेक्टर द्वारा उपलब्ध करवाई गई हैं। कलेक्टर ने राहुल की पत्नि के उपचार के लिए स्वैच्छानुदान से आर्थिक सहायता का प्रकरण तैयार कर भेजने के निर्देश भी एसडीएम मनासा को दिए।

न्यायालय ने नकली नोट रखने के आरोपी को दोषमुक्त किया

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। अपर सत्र न्यायालय मंदसौर के न्यायाधीश श्री अजय कुमार सिंह ने नकली नोट रखने के आरोप में आरोपी सद्दाम पिता कल्लू खां मल निवासी बिल्लोद को दोष मुक्त कर दिया।

अभिभाषक विपिन कुमार तिवारी ने बताया कि दलौदा पुलिस ने 19 नवंबर 2020 को दलौदा चैपाटी पर वाहन चेकिंग के दौरान एक कार की तलाशी लेते हुए बैग में रखे नोटो के बंडल को चेक किया था। पुलिस ने बैंग की तलाशी के दौरान नोटो के दो बंडल जब्त किए थे जिसमें एक बंडल में 100 रूपए के नोटों का 2 नोट उपर की तरफ व 2 नोट नीचे की तरफ तथा दूसरे बंडल में 500 रूपए के दो नोट उपर की तरफ असली जैसे दिखे थे, नोटो की तरफ दिखने वाले कागजों की परत जमाई गई थी तथा नोटों के कोनो पर रंग लगना बताया था। पुलिस ने नोटो का कूट करण जमा किया था। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध प्रकरण दर्ज कर भादवि की धारा 489 ए, बी, एवं सी के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में प्रकरण प्रस्तुत किया था। विचारण के दौरान न्यायालय में साक्षियों के कथन कराए गए। न्यायालय ने सदेह के आधार पर आरोपी सद्दाम पिता कल्लू खां मल निवासी बिल्लोद को दोषमुक्त कर दिया है। प्रकरण में आरोपी सद्दाम की ओर से पैरवी अभिभाषकगण विपिन कुमार तिवारी, कृष्णाकान्त सेन, पंकजदास बैरागी ने की।

रंग नेह का...

तोते की चोंच सा टेसू
लाल गुलाबी छोटे रस भरे
प्यालों वाला प्यारा प्यारा सेमल
लटकते पीले पीले झूमरों
से सजा ये वन अमलतास
नर-नारी को करता आलोडित।
सैंकडों नलिका कार नीले जामुनी
रंगों से. अटी-पडी नीली गुलमोहर
किसे नहीं करती रंगों से सारोबार।
अम्बर में टेसू-सेमल के
अंगार दहक रहे हों
अमलतास के झूमर
हवा में झूम रहे हो
रंग भरी पिचकारि यों छूट रही हो।
फिजाओं में हवाएँ बहक रही हों
बेवजह गुनगुनता ये तन मन
मस्ती में यूँ झूम उठे।
नेह भरी रंग फुहार नहलाती है
तन मन अठखेलियों कर मचलता है
भीगे भीगे बदन से
दु:ख यूं रिस जाता है
ज्यों आतप से हिम पिघल जाता है।
मल मल कपोल रंग चढता है
कान्ता चंचल चपल हो उठती है
नेह सिरज देह गेह में
नव सृजन कर हर्षाती है।
रंग नेह का जब यों फलता है।

भगवती प्रसाद गेहलोत, मंदसौर

न्यायालय तहसीलदार, दलौदा, तहसील दलौदा, जिला-मंदसौर (म.प्र.)

क्रमांक-0017/अ-20(3)/2023-24/रीडर/2025 दिनांक-18.03.2025

*** विज्ञप्ति ***

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम बानीखेड़ी तहसील दलौदा, जिला मंदसौर की शासकीय नजूल भूमि सर्वे नंबर 13, रकबा-15.442 में से 7.887 हे. भूमि कृषि उपज मंडी समिति दलौदा को भूमि आवंटन हेतु आवेदन हेतु आवंटित किये जाने का आवेदन विचारार्थ लिया गया है। उक्त आवंटन में जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो वह इस इश्तेहार जारी होने के दिनांक से प्रकरण में नियत आगामी (कम से कम 15 दिवस उपरांत) दिनांक 03.04.2025 के पूर्व अथवा उक्त दिनांक को अपनी आपत्ति ऑनलाईन अथवा लिखित रूप से न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि पश्चात प्रस्तुत आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 18.03.2025 को मेरे हस्ताक्षर व पद मुद्रा से जारी किया गया है।

तहसीलदार
तहसील दलौदा, जिला मंदसौर

कलेक्टर ने दो आदतन बदमाशों को किया जिलाबदर

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग द्वारा म.प्र.राज्य लोक शांति एवं सुरक्षा की दृष्टि से सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5(क)(ख) के तहत एक आदतन अपराधी रईस उर्फ भुरा पिता लतीफ धत्तिया निवासी मुल्तानपुरा थाना वायडी नगर मंदसौर एवं शाकीर पिता इस्माईल बटला निवासी मुल्तानपुरा थाना वायडी नगर मंदसौर जिला मंदसौर को जिलाबदर करने का आदेश जारी किया है। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने आदेशित किया है, कि ये जिला बदर अवधि में मंदसौर जिले की राजस्व सीमा के साथ ही नीमच, रतलाम, उज्जैन, आगर मालवा एवं शाजापुर जिले की राजस्व सीमा में बगैर अनुमति के प्रवेश नहीं कर सकेगा।

मुख्यमंत्री ने गर्मी में सार्वजनिक प्याऊ लगाने के दिए निर्देश

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गर्मी के मौसम को देखते हुए जिलों के कलेक्टर, नगरीय निकायों तथा पंचायतों को सार्वजनिक स्थानों पर प्याऊलगाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि उपयुक्त स्थलों पर छाया की व्यवस्था भी की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस संबंध में जन प्रतिनिधियों से भी अपील की है। उन्होंने कहा कि जन सामान्य के लिए ग्रीष्म ऋतु में प्याऊलगवाने की परंपरा प्राचीन काल से रही है। जल संरक्षण के साथ-साथ जल की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यह व्यवस्था आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया को दिए संदेश के माध्यम से प्रदेशवासियों से जल गंगा अभियान के अंतर्गत बूंद- बूंद जल बचाने के लिए संचालित होने वाली गतिविधियों में सहभागिता करने का भी आव्हान किया।

समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी 5 मई तक-खाद्य मंत्री

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेंहू की खरीदी 15 मार्च से शुरू हो चुकी है। समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी 5 मई तक की जायेगी। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपये के अलावा किसानों को 175 रूपये प्रति क्विंटल बोनस भी देगी। इस बार 2600 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं खरीदा जाएगा। किसानों गेहूं बेचने के लिए ऑनलाइन स्लॉट बुकिंग करनी होगी। साथ ही जिन किसानों ने गेहूं उपार्जन के लिए अभी तक पंजीयन नहीं कराया है, वे 31 मार्च 2025 तक करवा सकते हैं। खरीदी केंद्रों पर किसानों की सुविधा के लिए टेंट, बैठने की व्यवस्था, पानी, पंखे, तौल मशीन और कंप्यूटर जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

✻ उठावना ✻

स्वर्गीय मदनलाल जी अग्रवाल (मंत्रीसाहब) (कयामपूर वाले) के

पोत्र एवं दामोदर अग्रवाल प्रेम, घनश्याम, जय प्रकाश ,कैलाश, अनिल, सत्यनारायण, श्याम, पुरुषोत्तम, ओमप्रकाश भतीजे एवं प्रकाश अग्रवाल अन्ना (कयामपूर वाले) के पुत्र एवं अनीश, प्रतीक, अभिनव, चिराग, गोपी, कविश, काजू, लविश के भाई शुभम अग्रवाल का आकस्मिक निधन हो गया है जिनका उठावना दिनाँक 19 मार्च बुधवार सुबह 10 बजे अग्रसेन मांगलिक भवन नरसिंहपूरा मंदसौर में रखा गया है।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
गोयल परिवार
कयामपुर, डग एवं मंदसौर

✻ उठावना ✻

स्व. पं.मांगीलाल शर्मा जमालपुरा के सुपुत्र रमेशचंद्र के अनुज राधेश्याम प्रकाश गोपाल कृष्ण

भगवतीलाल के बडे भाई साहब सतीश के पूज्य पिताजी श्री जगदीश चंद्र शर्मा (भट्ट) का दिनांक 18 मार्च 2025 को श्रीजी शरण हो गया है। जिनका उठावना दिनांक 20 मार्च 2025 को प्रात: 11.30 बजे निज निवास जमालपुरा में रखा गया है।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
शर्मा (भट्ट) परिवार जमालपुरा

भगवान परशुराम पर टिप्पणी: ब्राह्मण समाज का आक्रोश, कार्रवाई की मांग

ब्राह्मण समाज अध्यक्ष दिलीप शर्मा के नेतृत्व में जताया विरोध

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। महामहिम राज्यपाल महोदय मध्य प्रदेश राज्य भोपाल को संबोधित ज्ञापन ब्राह्मण समाज मंदसौर द्वारा दिया गया है, जिसमें जबलपुर की कांग्रेस नेत्री रेखा जैन के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।

ब्राह्मण समाज अध्यक्ष पंडित दिलीप शर्मा के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में बताया गया है कि रेखा जैन ने ब्राह्मणों की श्रद्धा के केंद्र भगवान परशुराम के विरुद्ध एक टिप्पणी की है, जिससे ब्राह्मणों और समस्त हिन्दू सनातनी समाज की श्रद्धा को ठेस पहुंची है। ब्राह्मण समाज ने मांग की है कि रेखा जैन के विरुद्ध सामाजिक एवं सांप्रदायिक सद्भाव बिगाडने की धाराओं के साथ उनकी गिरफ्तारी की जाए। यदि ऐसा नहीं होता है, तो संपूर्ण ब्राह्मण समाज के नेतृत्व में समस्त हिन्दू समाज प्रदेश व्यापी आंदोलन की ओर अग्रसर होगा। इस ज्ञापन का वाचन पंडित रमेशचंद्र चन्द्रे ने किया है। इस अवसर पर समाज के पंडित दिलीप शर्मा ,रमेश चंद्र चन्द्रे, रूपनारायण जोशी ,दिनेश नागर ,राजेश पाठक ,दीपक शर्मा ,चेतन जोशी , भरत जोशी ,निरंजन भारद्वाज , प्रदुम्न शर्मा (पार्टनर), बाबा पंचोली, राजेश शुक्ला, क्षितिज पुरोहित ,पुष्करराज शर्मा ,कृष्णा व्यास ,विपिन जोशी, सिंधी समाज बैकुंठधाम समिति के गोपाल पारवानी ,अनिल संगवानी ,सुभाष पाटीदार आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

श्रीकृष्ण ने जहां की लीलाएं और जहां पड़े उनके चरण, सभी देवस्थानों को तीर्थ के रूप में करेंगे विकसित-मुख्यमंत्री

ओंकारश्वर लोक का किया जायेगा विकास

भोपाल, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार को ओंकारेश्वर में अवधूत सिद्ध महायोगी श्री दादा गुरुजी की तृतीय चरण माँ नर्मदा सेवा परिक्रमा यात्रा के समापन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। उन्होंने ओंकारेश्वर स्थित गौमुख घाट पर माँ नर्मदा का मंत्रोच्चार के बीच पूजन किया। यह यात्रा माँ नर्मदा, धर्म, धरा, धेनु, प्रकृति, पर्यावरण संरक्षण-संवर्धन के लिए पूर्ण समर्पित थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि यत् पिण्डे तत् ब्रह्माण्डे जो-जो इस ब्रह्माण्ड में है वही सब हमारे शरीर में भी है। उन्होंने कहा कि जिस तरह परमात्मा हमारे अंदर विद्यमान है, उसी तरह जल माँ नर्मदा में विद्यमान है। उन्होंने कहा कि श्री दादा गुरुजी की तृतीय चरण माँ नर्मदा सेवा यात्रा का समापन हुआ है। यह एक अद्भुत यात्रा थी। उन्होंने श्री दादा गुरुजी को प्रणाम कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम इस मृत्यु लोक में अकेले आते हैं और अकेले ही जाते हैं। इस लोक में हमारे कर्म ही होते हैं जो हमें विभिन्न लक्ष्यों तक पहुँचाते हैं। सब अपने कर्मों के अनुसार पुण्य अर्जित करते हैं। इसलिए हम सबको सत्कर्म करने का प्रण लेना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आगामी-2028 में सिंहस्थ को भव्य बनाने के लिए सभी प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि उज्जैन में महाकाल लोक के निर्माण से मध्यप्रदेश के धार्मिक पर्यटन को बढावा मिला है। इसी तरह 'ओंकारेश्वर लोक' का विकास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ओंकारेश्वर धाम भी आने वाले समय में जगमगाएगा। इसके लिए सभी व्यवस्थाएं जुटाई जायेंगी। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने जहां लीलाएं की और जहां उनके चरण पडे, उन सभी देवस्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार ने सभी धार्मिक नगरों को शराब मुक्त करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में निरंतर कार्य चल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुग्ध उत्पादन को बढावा देने के लिए सरकार गौ-पालन को बढावा दे रही है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति 10 से ज्यादा गाय खरीदेगा, उसे सरकार द्वारा अनुदान दिया जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अवधूत सिद्ध महायोगी श्री दादा गुरुजी के साथ ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग महादेव के दर्शन

कर जलाभिषेक किया। उन्होंने बाबा ओंकारेश्वर से प्रदेश की सुख-समृद्धि, विकास और कल्याण की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पुल से ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने पैदल पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग ट्रस्ट के ट्रस्टी श्री राव देवेंद्र सिंह चौहान, सहायक सीईओ श्री अशोक महाजन सहित अन्य ट्रस्टी गण ने प्रतीक स्वरूप बाबा ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग का चित्र भेंट किया। नर्मदा समापन यात्रा में पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम विभाग मंत्री श्री प्रहलाद पटेल, मान्धाता विधायक श्री नारायण पटेल, ज़िला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पिंकी वानखेडे, महापौर श्रीमती अमृता यादव सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण मौजूद थे।

विश्व कल्याण के लिए सनातन संस्कृति को संगठित व शक्ति सम्पन्न होना होगा

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। राक्षसी प्रवृत्तियां आदि काल से ही विध्वंस में विश्वास रखती आई है। वर्तमान में जैसे जैसे सनातन संस्कृति संगठित हो रही है, हिन्दू समाज अपनी संस्कृति पर गौरव का अनुभव कर उसके संवर्धन के प्रयास तेज हो गए हैं वैसे वैसे ये विध्वंसकारी प्रवृत्तियों की बौखलाहट तेज होती जा रही है। इसलिए हमारे सामने चुनौतियां और अधिक गंभीर हो गई है।

उक्त विचार ब्रह्म परिषद के संस्थापक गोपालकृष्ण पंचारिया ने व्यक्त किए। वे कांग्रेस प्रवक्ता रेखा जैन द्वारा भगवान श्री परशुरामजी के सम्बन्ध में की गई टिप्पणी पर अपनी स्पष्टबात रख रहे थे। उन्होंने कहा कि तेजी से आगे बढते भारत व संगठित हो रही सनातन संस्कृति को ये तथाकथित शक्तियां सहन नहीं कर पा रही है। ये आए दिन अलग अलग जातियों व समाजों में उनके विरुद्ध कोई न कोई अपमानजनक टिप्पणी कर विवाद उत्पन्न कर रही है और इस गंभीर षडयंत्र को हमें बहुत ही गंभीरता से समझना होगा। वरना हम सनातन संस्कृति के अनुयायी ही आपस में लडकर कमजोर होते रहेंगे और यही तो ये विध्वंसकारी शक्तियां चाहती है। रेखा जैन इस पूरे षडयंत्र का एक औजार मात्र है जिसे ब्राह्मणों के विरुद्ध चलाकर समस्त ब्राह्मणों को उद्वेलित कर दिया। अब सम्पूर्ण ब्राह्मण समाज धरना, प्रदर्शन, ज्ञापन व पुतला दहन की सोचेगा। ठीक इसी प्रकार से कुछ दिन पहले जैन समाज के विरुद्ध प्रकरण में पूरे जैन समाज ने प्रदर्शन किया था। इसी प्रकार से ये शक्तियां आए दिन हिंदू समाज की अलग अलग जातियों के विरुद्ध कोई ना कोई प्रकरण पैदा कर हिन्दू सनातन संस्कृति को तोड़ने व कमजोर करने की गहरी रणनीति पर काम कर रही है। हम इस षडयंत्र को समझ नहीं पा रहे हैं। यदि हम इस गंभीर संकट को समझ लेंगे तो हम अपने आप पर ही बहुत बड़ा उपकार करेंगे। सनातन संस्कृति के लिए संघर्षरत जाने माने अधिवक्ता द्वय श्री हरिशंकर जैन व विष्णुशंकर जैन ने एक टी वी चैनल पर चर्चा में महत्वपूर्ण बात कही कि हिन्दू समाज को कमजोर करने के लिए ही जैन समाज को अल्पसंख्यक का दर्जा दिया गया। इस गंभीर संकट के समाधान के लिए हम हमारी महान संस्कृति के महान व पवित्र ग्रंथ रामायण से प्रेरणा लें। भगवान श्रीराम ने राक्षसी व विध्वंसकारी दुष्प्रवृत्तियों पर विजय प्राप्त करने के लिए समाज के हर वर्ग को संगठित कर युद्ध लडा वो विजयश्री प्राप्त की। भगवान श्रीराम द्वारा अपनाया गया मार्ग ही हमें भी अपनाना होगा। इसके अलावा अन्य कोई मार्ग नहीं है। वरना हम टुकडों में बंटकर अपने पैरों पर ही कुल्हाडी मारने के लिए तो तैयार बैठे ही हैं?

ईकेवायसी कराने पर ही मिलेगा बिजली उपभोक्ताओं को योजनाओं का लाभ, मप्र के 16 ज़िलों में काम पूरा

भोपाल, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में ईकेवायसी कराने पर ही बिजली उपभोक्ताओं को शासकीय योजनाओं का लाभ मिलेगा। इसके लिए बिजली कंपनी द्वारा सतत प्रक्रिया के तहत ईकेवायसी करवाई जा रही है। जिसके तहत मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के राजधानी सहित 16 जिलों में कुल छह लाख 82 हजार 742 उपभोक्ताओं ने ईकेवायसी करवा ली है।

भोपाल में एक लाख से अधिक दर्ज हुई ईकेवायसी-राजधानी में एक लाख से अधिक उपभोक्ताओं ने ईकेवायसी करवा ली है। इनमें ग्रामीण क्षेत्र में 38 हजार 800 और शहरी क्षेत्र में 63 हजार 781 उपभोक्ता शामिल हैं। जबकि नर्मदापुरम ग्रामीण में 72 हजार, बैतूल ग्रामीण में 91 हजार 434, राजगढ ग्रामीण में 53 हजार 236, गुना ग्रामीण में 32 हजार 389, विदिशा ग्रामीण में 50 हजार 725, सीहोर ग्रामीण में 24 हजार 254, ग्वालियर ग्रामीण में 21 हजार 115, शहर वृत्त ग्वालियर में 47 हजार 300 अशोकनगर ग्रामीण में 26 हजार 384, दतिया ग्रामीण में 25 हजार 390, रायसेन ग्रामीण में 44 हजार 105, शिवपुरी ग्रामीण में 26 हजार 048, हरदा ग्रामीण में 20 हजार 993 श्योपुर ग्रामीण में 09 हजार 695, मुरैना ग्रामीण में 24 हजार 119 और भिंड ग्रामीण में 10 हजार 973 बिजली उपभोक्ताओं की ईकेवायसी की गई है।

नो योर कंज्यूमर (केवायसी)- बिजली कंपनी द्वारा 16 जिलों के बिजली उपभोक्ताओं के बिजली संबंधी व्यक्तिगत विवरण को कंपनी के रिकार्ड में अपडेट करने के लिए नो योर कंज्यूमर (केवायसी) प्रक्रिया शुरू की है। कंपनी द्वारा इस प्रक्रिया के तहत बिजली उपभोक्ताओं की व्यक्तिगत जानकारी जैसे समग्र आइडी, मोबाइल नंबर, बैंक खाता आदि की जानकारी को अपडेट किया जा रहा है। बिजली उपभोक्ताओं को जहां राज्य शासन की योजनाओं का लाभ सीधे लाभ अंतरण (डीबीटी) योजना के माध्यम से सुनिश्चित किया जा सकेगा वहीं दूसरी ओर प्रणाली में अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

जनसुनवाई के दौरान 43 आवेदकों की समस्याएं सुनी

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन एवं अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल द्वारा सुशासन भवन सभाकक्ष में 43 आवेदकों की समस्याएं सुनी। अधिकारियों को जल्दी निराकरण करने के निर्देश दिए।

आवेदक देउबाई पति रामनारायण निवासी कोलवा तहसील व जिला मंदसौर द्वारा लाडली बहना योजना का लाभ दिलाये जाने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया। जिस पर उचित कार्यवाही के निर्देश दिए। आवेदक गोपालबाई पति भंवरलाल निवासी सुंठी तहसील सीतामऊजिला मंदसौर द्वारा गैस कनेक्सन नहीं मिलने पर आवेदन प्रस्तुत किया गया। जिस पर डीसीओ को उचित कार्यवाही के निर्देश दिए। आवेदक भँवरलाल पिता पन्नालाल बावरी निवासी सुंठी द्वारा प्रार्थी गाँव सुंठी का काश्तकार होते हुवे उसे प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री सम्मान निधि योजना की राशि प्राप्त नही होने से उचित कार्यवाही हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया। जिस पर तहसीलदार को उचित कार्यवाही के निर्देश दिए। आवेदक सुरजमल पिता मांगीलाल निवासी सुवासरामंडी तहसील सुवासरा जिला मंदसौर द्वारा प्रार्थी के पुत्र कन्हैयालाल का एक्सीडेन्ट दुर्घटना में 24 दिसम्बर 2023 को मृत्यु हो गयी हैं प्रार्थी को सहायता राशि स्वीकृत करने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया। जिस पर उचित कार्यवाही के निर्देश दिए। जिन आवेदनों का निराकरण नहीं हो सका उसके लिए अधिकारियों को समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए।

मालवा प्रांत के महिला प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष पद पर श्रीमती मोनिका अमित हरसोला नियुक्त

भानपुरा, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय समग्र दिगंबर जैन बघेरवाल सामाजिक संगठन की महिला प्रकोष्ठकी राष्ट्रीय अध्यक्ष

प्रमिला दुगेरिया ने अखिल भारतीय समग्र दिगंबर जैन बघेरवाल सामाजिक संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष एन के जैन, महामंत्री नरेश सुरलाया की सहमति से मालवा प्रांत महिला प्रकोष्ठकी कार्यकारिणी घोषित की है इस घोषित कार्यकारिणी में भानपुरा की मोनिका अमित हरसोला को उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है श्रीमती मोनिका हरसोला को सकल जैन समाज भानपुरा, जैन सोशल ग्रुप भानपुरा सहित जैन महिला मंडल भानपुरा ने हर्ष व्यक्त करते हुए सभी सदस्यों ने बधाई दी है।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना अंतर्गत 31 तक करें ऑनलाइन आवेदन

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था के प्राचार्य श्री मुकेश मौर्य द्वारा बताया गया कि प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (झचखड) कॉपोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य युवाओं को भारत की शीर्ष 500 कंपनीयों में इंटर्नशिप के अवसर प्रदान कर रोजगारपरक बनाना है। यह कार्यक्रम युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में वास्तविक जीवन के व्यवसायिक वातावरण से अवगत करवाना है, जिससे उन्हें व्यावहारिक कौशल एवं कार्यानुभव प्राप्त करने में मदद मिले। साथ ही इंटर्नशिप के दौरान युवाओं को उद्योग-उन्मुख प्रशिक्षण, नवीनतम तकनीक एवं प्रक्रिया के माध्यम से प्रशिक्षण एवं नियमित रोजगार प्राप्त करने की योग्यता अर्जित करने का अवसर प्राप्त होगा। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (झचखड) के तहत ऐसे युवा पात्र हैं, जिनकी आयु 21 से 24 वर्ष के मध्य है. जिनकी शैक्षणिक योग्यता 10वी या उससे उच्च है तथा वे पूर्णकालिक रोजगार एवं शिक्षा में नहीं संलग्न नहीं है। इंटर्नशिप के दौरान युवाओं को राशि रु. 5000 प्रतिमाह स्टाइपेण्ड एवं इंटर्नशिप प्रारंभ होने पर एकमुश्त राशि रूपये 6000 प्राप्त होगी। इंटर्नशिप की अवधि 12 माह होगी। योजना अंतर्गत पंजीयन एवं आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च 2025 हैं। योजना में पात्र युवा https://pminternship.mca.gov.in पर पंजीयन एवं आवेदन कर सकते हैं।

फिल्म 'छावा' का विशेष शो हुआ ओपन थियेटर में

राष्ट्र प्रेम, साहस और गौरवशाली इतिहास से परिचित करवाने वाली फिल्मों को देंगे प्रोत्साहन-मुख्यमंत्री

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज 17वीं सदी में शासक रहे छत्रपति संभाजीराव महाराज के जीवन और संघर्ष पर बनी फिल्म 'छावा' देखी। लक्ष्मण उतेकर द्वारा निर्देशित इस फिल्म को मध्यप्रदेश सरकार ने टैक्स फ्री भी किया है।

अशोका लेक व्यू परिसर में ओपन थियेटर में हुए फिल्म के विशेष प्रदर्शन को मुख्यमंत्री डॉ. यादव के अलावा विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर, उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवडा, मंत्री परिषद के सदस्यों और अनेक जन प्रतिनिधियों ने देखा और फिल्म की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह राष्ट्र प्रेम का संदेश देने वाली प्रेरक फिल्म है। मध्यप्रदेश सरकार ऐसी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर बनी भारत के गौरवशाली इतिहास से अवगत करवाने वाली फिल्मों को प्रोत्साहित करेगी। राज्य सरकार भारत के वीर शासकों और देशभक्तों के संघर्ष की गाथा को प्रस्तुत करने वाले सिनेमा को आगे बढ़ाने में पूर्ण सहयोग करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज जितने साहसी और वीर थे वैसे ही उनके सुपुत्र छत्रपति संभाजीराव महाराज भी थे। वे ऐसे शासक थे जिन्होंने देश के लिए राष्ट्र प्रेम का अदभुत उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा 300 वर्ष से अधिक पुराने दौर को सिनेमा के परदे पर जीवंत किया गया है। फिल्म के निर्माता निर्देशक और कलाकार बधाई के पात्र हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज विश्व में भी काफी उथल-पुथल है और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत अपनी विरासत और संस्कृति के संरक्षण के साथ विकास की ओर बढ़ रहा है। निश्चित ही ऐसी फिल्म जनप्रतिनिधियों के साथ देखना मेरे लिए एक सुखद संयोग है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छत्रपति संभाजी महाराज की वीरता पर आधारित एक काव्य रचना भी पढकर सुनाई।

क्षेत्र की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री से मुलाकात की विधायक जैन ने

मंदसौर, 18 मार्च गुरु एक्सप्रेस। लोकप्रिय विधायक विपिन जैन द्वारा मंदसौर विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री निवास पर प्रदेश के

मुख्यमंत्री मोहन यादव जी से मुलाकात की और गुलदस्ता भेंट किया। मुलाकात के दौरान क्षेत्रीय विधायक विपिन जैन ने मंदसौर विधानसभा क्षेत्र कि ग्रामीण सडकों के निर्माण हेतु, पशुपतिनाथ लोक परिसर के दूसरे चरण की राशि स्वीकृत किए जाने, शिवाना नदी के सौंदरीकरण के लिए राशि स्वीकृत किए जाने हेतु मांग पत्र सोपे। वही मंदसौर शहर की प्रमुख समस्या कालाखेत शॉपिंग कांप्लेक्स और आसपास के क्षेत्र पर साठीया समुदाय के अवैध रूप से किए गए कब्जे को अतिक्रमण से मुक्त करने और उन्हें अन्य स्थानों पर पुनर्स्थापित करने के संबंध में चर्चा कि मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव द्वारा विधायक श्री जैन को आश्वस्त किया गया कि शीघ्र ही उनकी सारी समस्याओं का चरणबद्ध तरीके से निराकरण किया जाएगा। वहीं पशुपतिनाथ की नगरी मंदसौर में शराब बंदी करने पर भी उनके ऐतिहासिक फैसले हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया।

राजकुमार गुप्ता, एडव्होकेट

कार्यालय व निवास-207 तिरूपति नगर, होटल सम्राट के सामने पानी की टंकी के पास स्टेशन रोड, मंदसौर (मप्र)-458001 Mobile No-98260-58658 E-Mail-rkguptamds@gmail.com
क्रमांक 130/2025 दिनांक 18.03.2025

✻✻✻ जाहिर सूचना ✻✻✻

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा कृष्णदास पिता रमेशदास, जाति बैरागी, निवासी ग्राम मावता, तहसील पिपलौदा, जिला रतलाम से आवासीय मकान जो भूमि सर्वेक्रमांक 433 (बी), भूखंड नं. 770 (पी) पटवारी हल्का नं. 00001 पर दर्ज होकर पता-ग्राम मावता, तहसील पिपलौदा, जिला रतलाम उनके हक और हिस्से का स्वत्व त्याग विधिवत रजिस्टर्ड, स्वत्व त्याग विलेख ई-पंजीकरण क्रमांक एमपी 16 आईजीआर 18232025ए100150789, दिनांक 13.03.2025 से मेरे पक्षकार रमेशदास पिता गंगादास, जाति बैरागी, निवासी ग्राम मावता, तहसील पिपलौदा, जिला रतलाम के पक्ष में उप पंजी कार्यालय जावरा में करवाया गया है। उक्त मकान की चतुर्सीमा व पैमाईश निम्नानुसार है-

पूर्व में-गली, पश्चिम में-इसी मकान का शेष भाग नाथुदासजी, उत्तर में-भंवरलालजी पाटीदार का मकान, दक्षिण में-आम रास्ता, पैमाईश रकबा-48 वर्ग मीटर

उक्त सम्पत्ति पर मेरे पक्षकार द्वारा INDIAN SHELTER FINANCE, CORPORATION LIMITED, Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है, यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार बोझ आदि उक्त सम्पत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के आपत्ति प्रस्तुत करे, वरना बाद गुजरने, मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी जो सूचित हो।

भवदीय
राजकुमार गुप्ता, एडवोकेट मन्दसौर

राजकुमार गुप्ता, एडव्होकेट

कार्यालय व निवास-207 तिरूपति नगर, होटल सम्राट के सामने पानी की टंकी के पास स्टेशन रोड, मंदसौर (मप्र)-458001 Mobile No-98260-58658 E-Mail-rkguptamds@gmail.com
क्रमांक 131/2025 दिनांक 18.03.2025

✻✻✻ जाहिर सूचना ✻✻✻

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा राधेश्याम पिता गणेशराम बसोड़, निवासी ग्राम मगराना, तहसील मल्हारगढ़, जिला मंदसौर से आवासीय मकान जो भूमि सर्वेक्रमांक 921 (बी), भूखंड नं. 23 (पी) पटवारी हल्का नं. 131 पर दर्ज होकर पता-ग्राम मगराना, तहसील मल्हारगढ़, जिला मंदसौर उनके हक और हिस्से का स्वत्व त्याग विधिवत रजिस्टर्ड, स्वत्व त्याग विलेख ई-पंजीकरण क्रमांक एमपी 15 आईजीआर 17852025ए100150750, दिनांक 13.03.2025 से मेरे पक्षकार कंकुबाई पति राधेश्याम, निवासी ग्राम मगराना, तहसील मल्हारगढ़, जिला-मन्दसौर के पक्ष में उप पंजी कार्यालय मल्हारगढ में करवाया गया है। उक्त मकान की चतुर्सीमा व पैमाईश निम्नानुसार है-

पूर्व में-आम रास्ता, पश्चिम में-शिवनारायण पिता रामलाल और पन्नालाल पिता चिमना की कृषि भूमि, उत्तर में-सुरेश पिता गणेशराम और दिनेश पिता गणेशराम का मकान, दक्षिण में-रघुवीर पिता भेरुलाल का मकान व गली, पैमाईश रकबा-71 वर्ग मीटर

उक्त सम्पत्ति पर मेरे पक्षकार द्वारा INDIAN SHELTER FINANCE, CORPORATION LIMITED, Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है, यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार बोझ आदि उक्त सम्पत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के आपत्ति प्रस्तुत करे, वरना बाद गुजरने, मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी जो सूचित हो।

भवदीय
राजकुमार गुप्ता, एडवोकेट मन्दसौर

✻ नाम परिवर्तन ✻

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे ड्रायविंग लायसेंस में मेरा नाम राजदीपसिंह देवड़ा पिता महेन्द्रसिंह राजपुर दर्ज है जो कि गलत है। मेरा सही नाम मेरी 10 वीं की मार्कशीट में राजदीपसिंह देवड़ा पिता महेन्द्रसिंह देवड़ा दर्ज है। अतः आईन्दा आगे से मुझे मेरे सही नाम राजदीपसिंह देवड़ा पिता महेन्द्रसिंह देवड़ा के नाम से जाना एवं पहचाना जावें।

राजदीपसिंह देवड़ा पिता महेन्द्रसिंह देवड़ा
बेहपुर, जिला मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in